R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 04
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 12 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

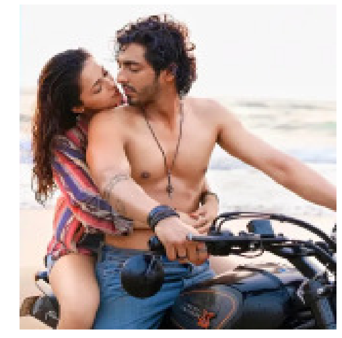

3 स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र ... 5 पुलिस अधीक्षक द्वारा पैरोकार, कोर्ट मोहर्रिर व ... 7 इंतजार खत्म! साल की सबसे बड़ी हिट सैयारा ...

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को फोर्टिस अस्पताल से मिली छुट्टी, 7 दिन बाद लौटे आवास

मोहाली **(एजेंसी)**। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, जहाँ वे पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भर्ती थे। डॉक्टरों के अनुसार, मुख्यमंत्री मान को आज शाम लगभग 4:30 बजे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उनके सीधे चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास जाने की उम्मीद है। भगवंत मान को शुक्रवार शाम थकान और कम हृदय गति की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। बयान में कहा गया है कि 51 वर्षीय मान के स्वास्थ्य की जाँच की गई और उनकी हालत स्थिर हो गई थी। अस्पताल के बयान में कहा गया है, 'पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को थकावट और कम हृदय गति की शिकायत के बाद मोहाली के फोर्टिस अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुँचने पर उनकी स्वास्थ्य की जाँच की गई और अब उनकी हालत स्थिर है।' बयान में कहा गया है कि मान फिलहाल निगरानी में हैं और उनकी नाड़ी की गति में सुधार हुआ है। बयान में कहा गया है, 'हमारी मेडिकल टीम उनकी हालत पर लगातार नज़र रख रही है।' मुख्यमंत्री ने सोमवार को अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता की थी। इससे पहले, उनकी अस्वस्थता के कारण कैबिनेट की बैठक स्थगित कर दी गई थी। मान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे पर भी नहीं जा पाए थे। लगभग एक साल पहले, इसी अस्पताल में उनका जीवाणु संक्रमण का इलाज हुआ था। केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को मान से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की थी और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।

महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से राधाकृष्णन का इस्तीफा, अब आचार्य देवव्रत संभालेंगे अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को सी.पी. राधाकृष्णन के भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने के कारण अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे सीपी राधाकृष्णन 9 सितंबर को भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित हुए। उन्होंने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को 452-300 मतों से हराया। सीपी राधाकृष्णन भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा भारत के दूसरे सबसे बड़े संसदीय पद के लिए चुने गए थे, और अंततः उपराष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए। उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद, सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद छोड़ दिया है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को अब अपने कर्तव्यों के साथ-साथ महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। गुजरात के राज्यपाल बनने से पहले, देवव्रत अगस्त 2015 से जुलाई 2019 तक हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भी रह चुके हैं। उन्होंने जुलाई 2019 से गुजरात के राज्यपाल के रूप में कार्य करना शुरू किया।

भारत के राष्ट्रीय पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, देवव्रत की कई शैक्षणिक योग्यताओं में इतिहास और हिंदी में स्नातकोत्तर, शिक्षा में स्नातक और योग विज्ञान में डिप्लोमा शामिल हैं। वे प्राकृतिक चिकित्सा और योग विज्ञान के डॉक्टर भी हैं। वे वैदिक मानवीय मूल्यों और वैदिक दर्शन पर व्याख्यान भी देते हैं और इन्हें लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती और गौ-नस्ल सुधार के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी व्यापक रूप से काम किया है।

दंतेवाड़ा में नक्सलियों की कायराना करतूत आईईडी धमाके में 2 जवान घायल

रायपुर **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पल्ली बारसूर मार्ग पर गुरुवार को हुए एक आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान घायल हो गए। सीआरपीएफ के दो जवानों में से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल जवान सीआरपीएफ की 195वीं बटालियन के हैं। दंतेवाड़ा के सथधार-मालेवाही के पास प्रेशर आईईडी विस्फोट हुआ। पुलिस ने बताया कि एक डॉग हैंडलर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि एक इंस्पेक्टर को छर्रे लगने से मामूली चोटें आईं। दोनों घायल जवानों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य घटना में, सुरक्षा बलों ने बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि नक्सली की पहचान पीएलजीए मिलिट्री कंपनी 05 के सदस्य के रूप में हुई है, जिस पर 8 लाख रुपये का इनाम था। मुठभेड़ थाना परतापुर के गेड़ाबेड़ा गाँव के पहाड़ी जंगल क्षेत्र में हुई। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से एक .303 राइफल और एक वॉकी-टॉकी भी बरामद किया।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और खराब मौसम के बावजूद, बस्तर में तैनात पुलिस और सुरक्षा बल भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा के अनुसार जान-माल की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रहे हैं। पुलिस महानिरीक्षक ने माओवादी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस वास्तविकता को स्वीकार करें कि माओवाद समाप्ति के कगार पर है। उन्होंने कहा, 'अब समय आ गया है कि वे हिंसा का रास्ता छोड़ दें और सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाकर मुख्यधारा में शामिल हों। अगर वे अवैध और हिंसक गतिविधियाँ जारी रखते हैं, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।'

विदेशी दौरों की जानकारी नहीं देते राहुल गांधी

सीआरपीएफ ने ज़ेड प्लस सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिखा पत्र

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के दौरान बार-बार सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़े जाने पर गंभीर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि ज़ेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त राहुल गांधी को एडवांस सिक्योरिटी लायज़न टीम के साथ हर यात्रा और कार्यक्रम की पूर्व सूचना देनी होती है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार कई मौकों पर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने इस नियम का पालन नहीं किया।

सीआरपीएफ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में कहा है कि यह लापरवाही राहुल गांधी को गंभीर जोखिम में डाल सकती है। साथ ही एक अलग पत्र राहुल गांधी को भी भेजा गया है, जिसमें उनसे भविष्य में सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया है।

हम आपको बता दें कि पत्र में इटली, वियतनाम, दुबई, कतर, लंदन और मलेशिया जैसी यात्राओं का उल्लेख किया गया है। 'येलो बुक' प्रोटोकॉल के अनुसार, उच्च सुरक्षा प्राप्त वीवीआईपी को विदेश यात्रा की पूर्व सूचना सुरक्षा तंत्र को देनी अनिवार्य है। ताकि वहां आवश्यक इंतज़ाम हो सकें। लेकिन आरोप है कि राहुल गांधी ने कई बार इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया। देखा जाये तो यह मामला केवल व्यक्तिगत सुरक्षा का नहीं, बल्कि राजनीतिक संदर्भ भी रखता है। राहुल गांधी लगातार विदेश यात्राओं पर रहते हैं– कभी व्यक्तिगत, तो कभी राजनीतिक कारणों से। विपक्षी नेता होने के नाते उनके बयानों और विदेश दौरों पर केंद्रित चर्चाएँ अक्सर राष्ट्रीय राजनीति में सुर्खियां बनती हैं। ऐसे में अगर वह सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी करते हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीति को सुरक्षा से ऊपर रखा जा रहा है?

देखा जाये तो भारत में वीवीआईपी सुरक्षा कोई साधारण प्रोटोकॉल नहीं, बल्कि वर्षों के अनुभव और खतरों के आकलन पर आधारित संरचना है। ज़ेड्ड श्रेणी की सुरक्षा का अर्थ केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान का दायित्व भी है। किसी भी तरह की चूक सुरक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

वैसे यहां एक द्वंद्व सामने आता है– लोकतांत्रिक राजनीति में नेताओं को जनता से सीधा जुड़ना होता है, लेकिन बढ़ते वैश्विक आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता के दौर में सुरक्षा की अनदेखी आत्मघाती साबित हो सकती है। राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ नेता की लापरवाही न केवल उनके लिए, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों और राजनीतिक व्यवस्था के लिए भी एक चुनौती है।

बहरहाल, सुरक्षा कोई व्यक्तिगत विकल्प नहीं, बल्कि संस्थागत जिम्मेदारी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि उनकी अनदेखी से वे केवल खुद को नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था को खतरे में डाल सकते हैं। राजनीति और सुरक्षा–दोनों साथ-साथ चल सकते हैं, बशर्ते नियमों का पालन हो। राहुल गांधी का दायित्व है कि वे सुरक्षा प्रोटोकॉल का सम्मान करें, ताकि लोकतांत्रिक विमर्श और राजनीतिक गतिविधियाँ बिना किसी अनावश्यक जोखिम के आगे बढ़ सकें।

भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं परिवार हैं, वाराणसी में बोले पीएम मोदी

वाराणसी **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (11 सितंबर) उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के एक दिवसीय दौरे पर हैं। वाराणसी दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता भी की। बाद में प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोदी और रामगुलाम द्विपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने संसदीय क्षेत्र में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है। चीन काल से काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है। हमारी संस्कृति और संस्कार सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचे और वहाँ की जीवन-पद्धति में रच-बस गए। काशी में माँ गंगा की अविरल धारा की तरह, भारतीय संस्कृति का अविरल प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है और आज, जब हम मॉरीशस के साथियों का काशी में स्वागत कर रहे हैं, तो यह सिर्फ़ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं बल्कि एक परिवार है।

पांच और एयरपोर्ट्स पर फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन सुविधा का उद्घाटन

अमित शाह बोले- प्रवासियों की बढ़ेगी सुविधा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई-टीटीपी) का और विस्तार करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लखनऊ, अमृतसर, कोझीकोड, तिरुवनंतपुरम और तिरुचिरापल्ली के पाँच और हवाई अड्डों पर इस सुविधा का शुभारंभ किया। गृह मंत्री ने इससे पहले 22 जून, 2024 को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल-3 से एफटीआई-टीटीपी का शुभारंभ किया था। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि यह कार्यक्रम इन हवाई अड्डों पर निर्बाध आव्रजन सुविधाएँ प्रदान करेगा और अप्रवासियों की सुविधा को बढ़ाएगा। केंद्रीय मंत्री ने इस प्रगति को अत्यंत हर्ष और गौरव की बात बताया।

उन्होंने शिकागो में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण की वर्षगांठ पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और आशा व्यक्त की कि देश उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि आज, फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम में पाँच और हवाई अड्डे जुड़ रहे हैं। यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व की बात है। इससे न केवल प्रवासियों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि हमें उन्हें इस देश में हो रहे बदलावों से परिचित कराने का भी एक अच्छा अवसर मिलेगा। आज, जिस दिन हम इस सुविधा का उद्घाटन कर रहे हैं, उसी दिन 132 वर्ष पूर्व 1893 में स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में भाषण देकर दुनिया को भारत, इसकी संस्कृति और सनातन धर्म से परिचित कराया था। आज, 2025 तक, हम अपनी संस्कृति और सनातन धर्म के सिद्धांतों को पूरे विश्व में फैलाने में सफल रहे हैं। आज, मैं युग प्रवर्तक स्वामी विवेकानंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, और यह आशा भी व्यक्त करता हूँ कि हम उनके दिखाए मार्ग पर निरन्तर आगे बढ़ते रहेंगे और इस देश के गौरव से सदैव जुड़े रहेंगे।

शाह ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि अधिक से अधिक यात्रियों को इस पहल का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसके तहत गति, कौशल और दायरे को एक ही कार्यक्रम में एकीकृत किया गया है जिसका उद्देश्य आव्रजन सेवाओं को बढ़ाना है।

राजनाथ ने रवाना किया 'समुद्र प्रदक्षिणा' दुनिया में बजेगा नारी शक्ति का डंका!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नारी शक्ति और विकसित भारत के विजन को याद करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से दुनिया के पहले ऐतिहासिक त्रि-सेवा महिला परिक्रमा नौकायन अभियान, समुद्र प्रदक्षिणा को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साउथ ब्लॉक से अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री ने इस यात्रा को नारी शक्ति, तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति, एकता और संयुक्तता, आत्मनिर्भर भारत और उसकी सैन्य कूटनीति और वैश्विक दृष्टिकोण का एक ज्वलंत प्रतीक बताया।

अगले नौ महीनों में, 10 महिला अधिकारी स्वदेश निर्मित भारतीय सेना नौकायन पोत त्रिवेणी पर सवार होकर लगभग 26, 000 समुद्री मील की दूरी तय करते हुए पूर्वी मार्ग पर यात्रा करेंगी। वे भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी, तीन महान अंतरीपों - लीउविन, हॉर्न और गुड होप - का चक्कर लगाते हुए सभी प्रमुख महासागरों और दक्षिणी महासागर और ड्रेक पैसेज सहित कुछ सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों को कवर करेंगी। मई 2026 में मुंबई लौटने से पहले टीम चार अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों का दौरा भी करेगी।

राजनाथ सिंह ने समुद्र प्रदक्षिणा को न केवल एक जहाज़ पर की जाने वाली यात्रा, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना और अनुशासन व दृढ़ संकल्प की यात्रा भी बताया। उन्होंने कहा, 'अभियान के दौरान, हमारे अधिकारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उनके दृढ़ संकल्प की लौ अंधकार को चीरती रहेगी। वे सुरक्षित घर लौटेंगे और दुनिया को दिखाएंगे कि भारतीय महिलाओं का पराक्रम किसी भी सीमा से परे है।'

रक्षा मंत्री सिंह ने हाल ही में दो भारतीय महिला नौसेना अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए द्वारा हासिल की गई असाधारण उपलब्धि को याद किया, जिन्होंने साहस और समर्पण के साथ कई चुनौतियों का सामना करते हुए, एक अन्य स्वदेशी पोत, आईएनएस तारिणी पर सवार होकर, सफलतापूर्वक दुनिया की परिक्रमा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईएएसवी त्रिवेणी समुद्री साहसिक कार्य में एक और वैश्विक मानक स्थापित करेगी और भारत की समुद्री यात्रा मां एक और स्वर्णिम अध्याय लिखेगी।

देशभक्ति और देवभक्ति अलग-अलग नहीं-डॉ. मोहन भागवत

नागपुर **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने कहा कि देवभक्ति और देशभक्ति, यह दो शब्द भले ही अलग दिखते हों, लेकिन हमारे देश में यह शब्द अलग नहीं है। जो वास्तविक देवभक्ति करेगा, वह देश की भी भक्ति करेगा। और जो प्रामाणिकता से देशभक्ति करेगा, उससे भगवान देवभक्ति भी करवा लेंगे। यह तर्क नहीं है, अनुभव की बात है। सरसंघचालक जी आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा नागपुर के मानकापुर क्रीडा स्टेडियम में आयोजित सोमनाथ ज्योतिर्लिंग महारुद्र पूजा के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंच पर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक रविशंकर जी भी उपस्थित थे।

सरसंघचालक जी ने कहा कि इतिहास भी जब जागा नहीं था, तबसे भारत देश अस्तित्व में है। शिवशंकर जी आदिगुरू हैं। सबके अंदर जो एकतत्व है, उसको जानने के 108 रास्ते हैं। सबको सिखाने वाले शिवजी हैं। मनुष्यों की प्रकृति अनेक प्रकार की है। सबको एक ही रास्ता सुहाता नहीं। रुचिवैचित्र्य के कारण अनेक प्रकार के रास्ते हैं। लेकिन जाना सभी को एक ही जगह है। यह जो नाना पथ हैं, इसके उद्गाता शिवजी हैं।

उन्होंने कहा कि तपस्या भारत में ही है। जब तपस्या का सार जो अंदर की वस्तु मिल जाती है, तब जानते हैं, जो हम में है वो सब में है और जो सब में है, वही मुझ में है। हमारा आपस में प्रत्यक्ष संबंध है, रिश्ता है, हमारा कॉन्ट्रैक्ट नही है। बच्चों को हम इसलिये नहीं पढ़ाते कि बड़े होकर हमारी सेवा करें। वो नहीं करेंगे तो भी वह हमारा काम है, वह हमारे अपने हैं। बच्चे भी बड़े होकर सोचते हैं, इन्होंने मुझे लाड-प्यार से बड़ा किया, इनकी सेवा करना मेरा कर्तव्य है।

सरसंघचालक जी ने कहा कि जीवन अपनेपन के आधार पर चलता है। इस अपनेपन के संबंधों को आज दुनिया तरस रही है। क्योंकि 2 हजार वर्षों से दुनिया जिस प्रभाव में चली, वह प्रभाव अधूरी बात पर आधारित है। उसको ये जोड़ने वाला ज्ञात नहीं, जो सबके अंदर है। जो बलवान है वो जिएगा और जो दुर्बल है वह मरेगा, ऐसा मानकर दुनिया चल रही है। मनुष्यों का ज्ञान बढ़ा, विकास हुआ, लेकिन इसके बाद भी झगड़े चल रहे हैं। मनुष्यो में असंतोष आज भी बरकरार है। सुख सुविधाएँ बहुत हो गयी, पर संतोष नहीं है। विकास बहुत हो रहा, पर्यावरण खराब हो रहा है। यह सारा देखकर दुनिया अब लड़खड़ा रही है। उनको रास्ता नहीं मिल रहा है। रास्ता कहां है, यही है शिवजी के पास। वह रास्ता मिला, तब हमारे पूर्वजों ने सोचा, यदि सब अपने है तो सबको ये बात मिलनी चाहिये। पूरा देश इसके लिये तैयार करना चाहिए। इसलिए बहुत बड़ी मात्रा में गांव, जंगल, झोपड़ी तक हमारे पूर्वजों ने ज्ञान का प्रबोधन किया और पूरा देश ऐसा बनाया, जिसका जीवन देख कर दुनिया संभल जाए।

उन्होंने कहा कि राम मनोहर लोहिया कहते थे, भगवान राम उत्तर से दक्षिण को जोड़ते हैं। भगवान कृष्ण पूरब से पश्चिम को जोड़ने वाले हैं। लेकिन भगवान शिव भारत के कण-कण में हैं। हम सब लोग शिवजी की पूजा करते हैं। लेकिन पूजा करना यानि जिसकी पूजा करते हैं, उसके जैसे थोड़ा-थोड़ा बनने का प्रयास करें तो वह पूरी होती है।

कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. मोहन जी भागवत का सत्कार किया गया। धर्म की रक्षा भगवान नंदी करते हैं, ऐसा कहकर रविशंकर जी ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर, शाल और नंदीबैल की प्रतिकृति देकर अभिनंदन किया। रविशंकर जी ने कहा कि डॉ. मोहन भागवत जी कर्मनिष्ठ, समर्पित हैं। लगातार अपना समय देश के लिये, समाज के लिये देते हैं। आपके मार्गदर्शन से करोडों लोग देशभक्ति, धर्म की स्थापना में लगे हैं। संघ 100 साल से देश की धरोहर को बचाने का काम कर रहा है। वह यशस्वी भी हुआ है। संघ के लाखों लोग समाज के लिये समय दे रहे हैं। संघ का काम बढ़ते रहना चाहिए। युवा प्रेरित होकर देश और देवभक्ति में लगने चाहिए।

महाराष्ट्र उद्योगों और निवेश के लिए सर्वोत्तम स्थान : फडणवीस

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य उद्योगों और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा माहौल प्रदान करता है, जिससे यह देश में निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बन गया है। जियो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में भारत-ऑस्ट्रेलिया फोरम के ग्लोबल लीडर मीट में फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों और उद्यमियों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई उद्योगों को अपशिष्ट जल प्रबंधन, सौर ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और बंदरगाह आधारित विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया।

उन्होंने कहा, ''सरकार विभिन्न क्षेत्रों के लिए व्यापक नीतियां बना रही है, और सेवा क्षेत्र सहित 14 क्षेत्रों के लिए नीतियों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। सेवा क्षेत्र राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।'' व्यवसायों को आसानी से चलाने के लिए, सरकार ने मैत्री पोर्टल शुरू किया है। यह एकल खिड़की प्रणाली है, जो उद्यमियों को शीघ्र मंजूरी प्राप्त करने में मदद करेगी, ताकि राज्य में निवेश का अनुभव सकारात्मक रहे। उन्होंने कहा, ''राज्य के सभी प्रमुख स्थानों को वधावन से छह घंटे के भीतर जोड़ा जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि पुणे में एक नया हवाई अड्डा शहर के विकास को गति देगा, जिसे तेज़ परिवहन अवसंरचना का समर्थन प्राप्त है।

पीएम मोदी के वाराणसी आगमन से पूर्व भदोही जिलाध्यक्ष वसीम अंसारी समेत दर्ज़नों कांग्रेसी किये गए नज़र बंद

कांग्रेसजनों की गिरफ़्तारी लोकतांत्रिक व संवैधानिक अधिकारों की हत्या

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वाराणसी आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने का संकल्प लिया था। किंतु प्रशासन ने लोकतांत्रिक व संवैधानिक अधिकारों की खुलेआम हत्या करते हुए कांग्रेसजनों की गिरफ्तारियाँ शुरू कर दीं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष वसीम अंसारी पुलिस से लुका-छुपी खेलकर अपने आवास से लगभग 10 किलोमीटर दूर अमिलहरा ग्रामसभा में प्रदेश सचिव राकेश मौर्या व अन्य साथियों के साथ वाराणसी जाने की योजना बना रहे थे। लेकिन देर रात लगभग 2:00 बजे पुलिस ने उन्हें अमिलहरा से गिरफ्तार कर सुरियावां लाकर नजरबंद (हाउस अरेस्ट) कर दिया।

इस अवसर पर उनके साथ युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव नाज़िम अली भी मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वसीम अंसारी व पूर्व जिला अध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र कुमार दुबे राजन ने कहा कि यह गिरफ़्तारी साफ़ दर्शाता है कि सरकार लोकतांत्रिक विरोध की आवाज़ से भयभीत है और संविधान प्रदत्त अधिकारों का गला घोंट रही है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता इस अलोकतांत्रिक रवैये के खिलाफ अपनी लड़ाई पूरी मजबूती से जारी रखेगा।

'संकल्पः हब फार इम्पावरमेंट आफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत पॉक्सो एक्ट जागरूकता थीम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। निदेशक महिला कल्याण उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम में जनपद में शत्रुघ्न कन्नौजिया जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार 'संकल्पः हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत विवेकानन्द पब्लिक स्कूल, स्टेशन रोड, गोपीगंज में पॉक्सो एक्ट जागरूकता थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ममता सिंह मिशन कोआर्डिनेटर ने बताया कि पॉस्को एक्ट एक विशेष कानून है, जो 18 साल से कम आयु के बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है। इस कानून के तहत नाबालिग बच्चों के साथ होने वाले यौन अपराधों और छेड़छाड़ जैसे यौन उत्पीड़न, यौन शोषण के मामलों में कार्रवाई की जाती है। कार्यक्रम में आज का विषय पोक्सो था टीम द्वारा छात्रोंओ को समझाया गया की पोक्सो क्या है पोक्सो का मतलब है यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 यह कानून भारत में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण यौन उत्पीड़न और बाल पोर्नोग्राफी जैसे यौन अपराधों से बचाता है इस अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को न्याय दिलाना उनके हितों की रक्षा करना और ऐसे अपराधों के लिए सख्त सजा का प्रावधान करना है छात्राओं को बताया गया कि पोक्सो अधिनियम के तहत यौन अपराधों को तीन मुख्य श्रेणियां में बांटा गया है यौन हमला यौन उत्पीड़न और बच्चों का अश्लील उद्देश्यों के लिए प्रयोग करना छात्राओं को प्रवेशक यौनिक हमला और गैर प्रवेशक यौनिक हमले के बारे में भी समझाया गया जो भी व्यक्ति इस अपराध को करने का दोषी पाया जाता है इस अधिनियम के अपराध की गंभीरता के आधार पर न्यूनतम 3 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में बताया गया। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, स्पांसरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वन स्टॉप सेंटर, आदि का प्रचार प्रसार कर सभी को जागरूक किया गया । भारत सरकार द्वारा संचालित समस्त टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जैसे 112, 181, 1076, 1090 इत्यादि के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट ने महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना , पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेन्टर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन एवं टोलफ्री नं0-181 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

इस दौरान रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट, आनन्द कुमार मौर्या, सत्येन्द्र पाण्डेय, दिनेश तथा काफी संख्या में छात्रायें उपस्थित रहीं।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सिराथू में छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी सिराथू के नेतृत्व में थाना सैनी प्रभारी व उनकी साइबर टीम ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शिराथू में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान लगभग 250 छात्राओं को साइबर अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। टीम ने छात्राओं को बताया कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता आवश्यक है। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें अथवा पोर्टल म्बैमिस.ुदन.ग्ह पर शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए आवश्यक उपाय बताना रहा।

जिलाधिकारी के जनता दर्शन में प्रार्थिनी बुधिया देवी ने खाद लेने के लिए अंगूठा न लगने एवं आने-जाने में बताई समस्या

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के जनता दर्शन में प्रार्थिनी बुधिया देवी निवासिनी-सुल्तानपुरवारी ने प्रार्थना-पत्र देकर अवगत कराया कि उनकी उम्र लगभग 78 वर्ष है। वृद्ध होने के कारण डी.ए.पी. एवं यूरिया लेने में अँगूठा लगाने तथा आने-जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनके द्वारा डी.ए.पी. एवं यूरिया खाद उपलब्ध कराये जाने की माग की गई। जिलाधिकारी ने प्रार्थिनी बुधिया देवी की समस्या को गम्भीरता से सुनकर ए-आर.को.आपरेटिव मोहसिन खॉन को निर्देशित किया कि खाद तत्काल प्रार्थिनी के घर तक पहुँचवा दिया जाय। ए-आर.को.आपरेटिव द्वारा तत्काल प्रार्थिनी के घर तक डी.ए.पी. एवं यूरिया खाद पहुँचवाया गया।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5' के तहत 'मॉर्डन पब्लिक स्कूल जनपद भदोही' में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु छात्राओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति फेस 5'के तहत महिलाओं/छात्राओं की सुरक्षा सम्मान और स्वालंबन सुनिश्चित करने की उद्देश्य से अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही के सकुशल निर्देशन में अशोक मिश्रा क्षेत्राधिकारी भदोही द्वारा मॉर्डन पब्लिक स्कूल जनपद भदोही में आत्मरक्षा, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें इन्द्र भूषण यादव प्रभारी एचटी व गीता राय प्रभारी महिला सहायता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें आत्मरक्षा कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित करने यह संदेश दिया गया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच होकर पुलिस संपर्क करें। पुलिस सदैव महिला संबंधित अपराधों में त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल सुरक्षा व समाधान किया जाएगा। श्रीमान क्षेत्राधिकारी छात्राओं के पूछे गए सवालों का जवाब देते बताया गया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति का निरंतर जारी रहेगा ताकि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके तथा विभिन्न हेल्प लाइन नंबर जैसे 1090 112 के आपातकालीन स्थिति में उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रमुख योजनाएं जैसे कन्या सुमंगला, योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना आदि व शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर जैसे 1090 112 1076 1098 108 की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय प्रयोग के लिए जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930 हेल्पलाइन नंबर का उपयोग करने संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

एफएलएन पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के ब्लाक संसाधन केंद्र मिठवल में आयोजित 5 दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के प्रथम बैच का प्रशिक्षण सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।मास्टर ट्रेनर शिवम् पाठक द्वारा निपुण लक्ष्य में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत संशोधनों पर विस्तार से जानकारी दी गई एवं विभिन्न सत्रों के द्वारा शैक्षिक नवाचारों के बारे में भी बताया गया।अन्य संदर्भदताओं कृष्ण किशोर त्रिपाठी, तारिक मुस्तफा, आदर्श मिश्र एवं जितेंद्र त्रिपाठी द्वारा शिक्षकों को बुनियादी भाषा की शिक्षा की जानकारी दी गई। खण्ड शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र पाल द्वारा प्रशिक्षण का समापन किया गया तथा सभी शिक्षकों को दिसंबर 2025 तक निपुण विद्यालय बनाने का संकल्प दिलाया गया। प्रशिक्षण में अर्चना कुलश्रेष्ठ, सपना मिश्रा , विजय बहादुर राय , क्वालिटी कॉर्डिनेटर शैलेश श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत् सदन की बैठक, नालों तथा सीवर की व्यवस्था दुरूस्त की जाए-जलनिगम, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई

महापौर द्वारा नगर निगम आपके द्वारा, समस्याओं का समाधान, डाटाबेस तैयार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज के मुखिया उमेश चन्द्र गणेश केसारवानी की अध्यक्षता में आज दिनांक 11 सितम्बर 2025 को 12 बजे, मा0सदन की कार्यवाही आरम्भ की गयी। कार्यवाही के दौरान सर्वप्रथम प्रयागराज शहर में सीवर की कनेक्टिविटी नाले में किये जाने पर जलनिगम एवं गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई पर रोष व्यक्त करते हुए कार्यो में सुधार के निर्देश दिये गये। लोक निर्माण विभाग द्वारा 26 स्थानों पर सीवर की कनेक्टिविटी की गयी है मम्फोर्डगंज, अलोपीबाग, एल0आई0सी0 रोड, मधवापुर, तुलारामबाग, जार्जटाउन तथा महिलाग्राम आदि क्षेत्रों की कनेक्टिविटी के लिए सम्बन्धित क्षेत्रीय पार्षद, लोक निर्माण विभाग, महाप्रबन्धक जलकल, जलनिगम एवं गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई के अधिकारियों के साथ ज्वाइंट सर्वे कराते हुए रिपोर्ट प्रेषित करने के आदेश दिये गये। इसी के साथ ही आगामी वर्षा ऋतु के पूर्व गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई द्वारा सम्पूर्ण सीवर लाइनों को दुरूस्त कराते हुए सीवर सम्बन्धी शिकायतों का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

आगामी त्योहारो दुर्गा पूजा, दशहरा तथा दीपवली के दृष्टिगत चौकियॉ निकले वाले मार्गो पर पैच वर्क, मार्ग प्राकश व्यवस्था, साफ-सफाई तथा पेड़ों की टहनियों को छटवाने के कार्य युद्ध स्तर पर किये जाने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही महापौर द्वारा आगमी त्योहारों के दृष्टिगत 1000 (एक हजार) नई लाईटों को क्रय कर तत्काल लागाये जाने के निर्देश दिये गये, साथ ही मार्ग प्रकाश सम्बन्धित शिकायतों पर मुख्य अभियन्ता विद्युत/यॉत्रिक द्वारा बताया गया कि 440 वोल्ट के कारण अधिकतर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं जिसके लिए तारों को भी बदलने की अवश्यकता है। महापौर द्वारा, कुम्भ मेला 2025 से प्राप्त होने वाली लाइटों को विस्तारित क्षेत्रों में लगाया जाए तथा तारों को बदलने के लिए प्रपोजल बनाया जाए जिससे मार्ग प्रकाश की व्यवस्था को दुरूस्त किया जा सके।

विस्तारित क्षेत्रों में, वार्ड 39 मलाक हरहर में नगर निगम मंन्दिर की जो भूमि खाली करायी गयी है उसपर तथा सम्पूर्ण निगम क्षेत्र में जो भी ग्राम समाज की भूमि नगर निगम प्रयागराज के अधीन हो उन पर भू-माफियाओं द्वारा कब्जा के दृष्टिगत भूमि को सुरक्षित किये जाने हेतु तारों की फेन्सिंग लगवाई जाए, जिसके लिए नगर आयुक्त द्वारा आवश्यकतानुसार सम्बन्धित जोनल अधिकारियों को रू0 5 लाख की वित्तीय स्वीकृति पूर्व में दी जा चुकी है।

प्रयागराज में अर्बन बाजर विकसित किया जा रहा है जिसके लिए कई पार्षदों द्वारा मांग की गयी कि अर्बन बाजार का संचालन किसी वेण्डर को न देकर निगम स्वंय ही संचालित करें जिससे निगम अर्थिक रूप से और विकसित/मजबूत होगा, तथा अर्बन बाजार के साथ वेन्डिग जोन बनाया जाए। जिसके लिए सदन द्वारा सहमति दी गयी।

महापौर द्वारा प्रत्येक वार्डो में पार्षद कोटे के अन्तर्गत रू0 10 लाख के निर्माण कार्यो को 02 माह के अन्दर सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण कराते हुए कार्य कराया जान सुनिश्चित करें।

महापौर द्वारा-नगर निगम आपके द्वारा, के अन्तर्गत नगर निगम के समस्त विषयों जैसे- साफ-सफाई, मार्गप्रकाश, जन्म-मृत्यु, नाला नाली निर्माण, पेडो की छटाई इत्यादि मूलभूत आवश्यकताओं के दृष्टिगत उक्त समस्याओं से सम्बन्धित आधिकारीगण प्रत्येक वार्डो में एक दिन के अन्तराल कैम्प का आयोजन किया जाएगा तथा मौके पर यथा सम्भव निस्तारण भी किया जाएगा। इससे सभी वार्डो मे समस्याओं का परीक्षण के साथ डाटाबेस भी तैयार हो जाएगा साथ ही विकास का खाका तैयार करने में वित्तीय अनुमान का आंकलन भी हो सकेगा।

साफ-सफाई हेतु करैलाबाग वर्कशाप एवं नगर निगम वर्कशाप से सभी गाड़िया प्रातः 05 बजे निकलें जिससे जल्दिबाजी में किसी प्रकार की दुर्धटना न होने पाए, साथ ही भीड-भाड़ वाले इलाकों में स्पीड-ब्रेकर बनवाया जाए।

यमुनापार वाले क्षेत्रों में, लोहिया मार्ग चौराहे तथा नैनी पुराने पुल से डी0पी0एस0 के चौराहों आदि के नामों को महापुरूषों के नाम हेतु प्रस्ताव प्राप्त किये गये।

नगर आयुक्त द्वारा पार्किग नियमावली हेतु सदन के माध्यम से आम जनमान को लाभ दिये जाने हेतु दरों में आंशिक संशोधन करते हुए पार्षदों से सुझाव प्राप्त किये जाए।

उमेश चन्द्र मिश्रा, पार्षद वार्ड 48 अलोपीबाग तथा पूर्व पार्षद कृष्ण देव कुटटू, बसंत लाल, के0के0तिवारी, विजय अरोरा तथा डा0 श्याम बिहारी अग्रवाल के निधन के उपरान्त दो मिनट का मौन धारण किया गया।

महापौर द्वारा दिनांक 12 सितम्बर 2025 दोपहर 01 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करते हुए पुनः आगामी मा0सदन की बैठक दिनांक 12 सितम्बर 2025 को दोपहर 01 बजे पुनः आहूत की जाए। उक्त कार्यक्रम के दौरान महापौर प्रयागराज, पार्षगण, नगर निगम प्रयागराज के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

दहेज हत्या का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस टीम ने दहेज हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। 9 सितम्बर 2025 को वादी रामनाथ यादव पुत्र बुधई निवासी ग्राम कल्याणपुर कसार थाना सुल्तानपुर जनपद फतेहपुर ने थाना सैनी पर तहरीर दी थी कि उनकी पुत्री की हत्या ससुरालीजनों ने अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर कर दी।

ज्ञात हो कि इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने मुखबिर खास की सूचना पर वांछित अभियुक्त विजय करन उर्फ मोहित पुत्र कोमलचन्द्र निवासी बैठकापर मजरा गरई थाना सैनी को ग्राम गरई के पास से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 310/25 धारा 85/80 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट दर्ज है। विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय भेजा जा रहा है।

शुद्धि-सूचना

सर्वधारण का सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र मो0 हम्माद खान के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश मो0 हम्माद खान अंकित है जो कि गलत है, जबकि सही नाम मोहम्मद हम्माद खान (MOHAMMAD HAMMAD KHAN) है जो कि आधार कार्ड में भी अंकित है, वास्तव मे उपरोक्त जन्म प्रमाण पत्र के लिखत-पढ़त में मोहम्मद हम्माद खान (MOHAMMAD HAMMAD KHAN) को ही सत्य माना जाए जो कि मेरी निजी जानकारी मे सत्य व सही हैं।

मो0 अशरफ खान
24/30/12, थॉर्नहिल रोड, सिविल लाइन्स
प्रयागराज उ0प्र0।

जिलाधिकारी ने राजकीय आश्रम पद्यति विद्यालय भरसवां का किया आकस्मिक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने गुरुवार को राजकीय आश्रम पद्यति विद्यालय, भरसवां का आकस्मिक निरीक्षण किया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य पुष्पा चौधरी, अध्यापिकायें-नीरू, पूर्णिमा देवी, प्रिया, मधु सिंह, मोहिनी निगम, अनामिका देवी, नीरज सिंह, मीना कुमारी, ममता पाण्डेय, माधुरी देवी, पूनम, सारिका यादव एवं नीलम चौधरी उपस्थित रहीं। उन्होंने शैक्षणिक भवन में स्थापित कम्प्यूटर कक्ष एवं कक्षाओं का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने अध्ययनरत छात्राओं से संवाद कर कैरियर काउन्सलिंग की।

जिलाधिकारी ने किचन एवं स्टोर रूम के निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं रख-रखाव का अवलोकन किया तथा प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि डायनिंग हॉल व किचन परिसर में स्वच्छता को बनाये रखा जाय। उन्होंने मेस संचालक को निर्देशित किया कि भोजन एवं नाश्ता मां प्रयुक्त समस्त सामग्री-चावल, दाल आटा आदि ब्राण्डेड ही प्रयोग में लाया जाय। आय-व्यय रजिस्टर एवं भोजन जांच समिति रजिस्टर को अपडेट रखा जाए। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता ठीक पाए जाने पर सराहना की।

नाबालिग से दुष्कर्म के अभियुक्त को 20 वर्ष कारावास की सजा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद के थाना सैनी क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी रामकृपाल उर्फ कृपाल को विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट कौशाम्बी ने दोषी करार देते हुए 20 वर्ष कठोर कारावास एवं 10, 000 रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

ज्ञात हो कि मामला 27 नवम्बर 2022 का है, जब पीड़िता की मां ने थाना सैनी में तहरीर दी थी कि उसकी नाबालिग पुत्री के साथ आरोपी रामकृपाल ने दुष्कर्म किया। इस पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 426/22 धारा 376(3)/323/506 भादवि व 3/4 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना उपरांत आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया गया।

11 सितम्बर 2025 को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कौशाम्बी ने शासन की प्राथमिकता वाले इस गंभीर एवं जघन्य अपराध में पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में की गई प्रभावी पैरवी को देखते हुए अभियुक्त रामकृपाल उर्फ कृपाल पुत्र स्वर्गीय राम खेलावन निवासी धुमाई, थाना सैनी, कौशाम्बी को 20 वर्ष कठोर कारावास एवं 10, 000 रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई।

जलकल विभाग नगर निगम प्रयागराज

कार्यालय महाप्रबन्धक
खुशरूबाग, प्रयागराज।
मो0- 9415125023
ई-मेल allahabadjalkalvibhag@rediffmail.com

पत्रांक : 1120/ज0क0वि0/मु0/2025-26 दिनांक : 11.09.2025

ई-निविदा सूचना

प्रयागराज नगर क्षेत्र में नलकूपों के पीलर की मरम्मत कार्य करने के लिए अनुभवी फर्मो से दरें मांगे जाने हेतु टू पैकेट (तकनीकी तथा वित्तीय) बिड के रूप में निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्र0सं0	कार्य का नाम	निविदा शुल्क	धरोहर धनराशि	अवधि
1.	Unit Rate Tender for Construction of Garder Pillar for Loring and Lifting work at Tubewells.	1180.00	50000.00	15 दिन

नोटः- निविदा के साथ मांगी गयी जमानत की धनराशि राष्ट्रीकृत बैको से जारी सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0/एन0ई0एफ0टी0/आर0टी0जी0एस0 के रूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा जो कि महाप्रबन्धक जलकल विभाग, नगर निगम, प्रयागराज के पक्ष में बंधक होगी। निविदा प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 11.09.2025 से दिनांक 22.09.2025 के अपरान्ह 02:00 बजे तक निविदा फार्म में अंकित निर्धारित निविदा शुल्क की धनराशि ऑनलाइन महाप्रबन्धक, जलकल विभाग, नगर निगम, प्रयागराज के यूको बैंक, खुसरोबाग, प्रयागराज के खाता सं0 19190110041048, आई0एफ0एस0सी0 कोड-UCBA0001919 के रूप में जमा कर संलग्न की जा सकती है। अन्य नियम व शर्तो का विस्तृत विवरण निविदा फार्म पर उपलब्ध होगा।

(शिवम मिश्र)
अधिशासी अभियन्ता (मु0)

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में डा रामकुमार वर्मा की कविता विषय पर व्याख्यान सत्र आयोजित

डॉ रामकुमार वर्मा की कविता भारतीय संस्कृति की पोषक : प्रो रामजी तिवारी

डॉ रामकुमार वर्मा की कविताओं में शोध की अनेक संभावनाएं : डॉ राम किशोर शर्मा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, समालोचक और पद्मभूषण डॉ रामकुमार वर्मा की कविताएं भारतीय संस्कृति की पोषक हैं। यह बातें मुंबई विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो रामजी तिवारी ने गुरुवार को डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट और हिन्दी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रो धीरेंद्र वर्मा सभागार हिन्दी विभाग में डा रामकुमार वर्मा की स्मृति में आयोजित व्याख्यान सत्र में कहीं। बतौर मुख्य वक्ता प्रो रामजी तिवारी ने डॉ रामकुमार वर्मा की कविताओं की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए कहा कि एकलव्य अहिल्या जैसे पात्रों को डॉ रामकुमार वर्मा ने अपनी कल्पना के द्वारा एक उदात्त चरित्र के रूप में प्रस्तुत किया, जो भारतीय संस्कृति के अनुरूप रही है। प्रो तिवारी ने कहा कि डॉ रामकुमार वर्मा का इंद्रधनुषी व्यक्तित्व था, जो इतिहासकार, समीक्षक, नाट्यकार, अभिनेता, एकांकी के जन्मदाता, कवि, आलोचक भी रहे। समस्त प्रकृति प्रदत्त रंग उनमें मौजूद रहे। विद्यार्थी जीवन में डा रामकुमार वर्मा की पहली कविता 17 वर्ष की उम्र में पुरस्कृत हुई। कविता उनके लेखन की केंद्रीय धुरी है। प्रो रामजी तिवारी ने उनके महाकाव्यों एवं लघु काव्यों पर प्रकाश डाला। कहा कि उनका लिखा एकलव्य हिंदी का आदर्श महाकाव्य माना गया है। उनका मानना था कि कविता पवित्र अनुभूति है। उनकी कविताओं में उनके व्यक्तित्व की झलक मिलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी

विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो राम किशोर शर्मा ने कहा कि डॉ रामकुमार वर्मा का साहित्य सागर की तरह है। उनकी कविताओं में शोध की अनेक संभावनाएं हैं। डॉ रामकुमार वर्मा युग मानव थे। लंबे समय तक उन्होंने काव्य साधना की। यही नहीं उन्होंने सांस्कृतिक चेतना का संवर्धन अपनी कविताओं के माध्यम से किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा डॉ रामकुमार वर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर अतिथियों का स्वागत हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो लालसा यादव, कोषाध्यक्ष डॉ ब्रह्मदेव द्विवेदी और शोध छात्र सोमदेव मिश्रा ने पुष्पगुच्छ देकर किया। डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट प्रयागराज की अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ राजलक्ष्मी वर्मा ने डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष जरूरतमंद छात्रों को पाठ्य पुस्तक और छात्रवृत्ति प्रदान करता है। इस वर्ष 15 सितंबर को डॉ रामकुमार वर्मा की 125 वीं वर्षगांठ पर ट्रस्ट द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिंदी विभाग में एमए की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा आस्था त्रिपाठी को मुख्य अतिथि द्वारा स्वर्ण पदक, प्रमाण पत्र एवं पुस्तकें प्रदान की गईं।

कार्यक्रम का संचालन सचिव डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शान्ति चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रो सूर्य नारायण, प्रो प्रणय कृष्ण, प्रो भूरे लाल, प्रो चंदा देवी, प्रो संतोष भदौरिया, प्रो सुनील विक्रम सिंह, डॉ विनम्र सेन, कोषाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मदेव द्विवेदी, डॉ भरत, डॉ ओंकार नाथ द्विवेदी, डॉ उर्मिला श्रीवास्तव, डॉ कल्पना वर्मा शोध छात्र सोमदेव मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र गंभीर रूप से घायल

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के पड़िला गांव के समीप गुरुवार दोपहर लगभग 2 बजे स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया है जानकारी के अनुसार, घायल छात्र बच्चा गौतम (17 वर्ष) पुत्र राम सिंह गौतम निवासी ग्राम गोड़वा, थाना थरवई के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बच्चा गौतम अपने घर से बाइक पर सवार होकर पड़िला बाजार की ओर जा रहा था। इसी दौरान जैतवारडीह रेलवे क्रॉसिंग की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो मोड़ पर पहुंची और सीधे उसकी बाइक से टकरा गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। दुर्घटना होते ही आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और आनन-फानन में घायल को इलाज के लिए फाफामऊ स्थित एक निजी अस्पताल 108 एंबुलेंस की मदद ले जाया गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

टोल प्लाज़ा में आर्थिक अपराध की जांच पर हाईकोर्ट ने तलब किया जवाब

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने टोल प्लाज़ा में आर्थिक अपराध से संबंधित जांच रिपोर्ट पर की गई या की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से छह सप्ताह में मांगी है। यह आदेश न्यायमूर्ति एम.के. गुप्ता और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने मथुरा निवासी चंद्रपाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

याचिका पर अधिवक्ता सुनील चौधरी ने बहस करते हुए बताया कि याची की शिकायत के आधार पर तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। समिति की जांच में पाया गया कि वरिष्ठ सहायक लेखाकार राजीव कुमार शर्मा ने आर.के. शर्मा के नाम से एक फर्जी अनुदेशक आईडी बनाकर वर्षों तक सरकारी धन का गबन किया। साथ ही, अपनी पत्नी नीलम शर्मा के खाते में धन भेजकर सात करोड़ रुपये से अधिक की राशि का गबन कर संस्थान को भारी नुकसान पहुँचाया।

जांच रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि गबन की राशि से अर्जित चल-अचल संपत्ति की जांच विभागीय समिति द्वारा संभव नहीं है। इस पर निदेशालय और शासन स्तर से उचित निर्णय लिया जाना आवश्यक है।

याची ने निदेशक प्रशिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास, लखनऊ तथा शासन में शिकायत कर साक्ष्य प्रस्तुत किए और 12 करोड़ रुपये से अधिक के गबन की आर्थिक अपराध शाखा से जांच कराने की मांग की। संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश शासन ने इस मामले में अपर मुख्य सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, लखनऊ से आख्या मांगी है।

टेट प्रकरण में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने मार्च निकालकर प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ प्रयागराज के नेतृत्व में हजारों शिक्षकों ने जिला पंचायत प्रांगण से मार्च करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री और मानव संसाधन विकास मंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी नगर को सौंपा।जिलाध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि आरटीई ऐक्ट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिये टीईटी की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिए यह ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 को राष्ट्रीय स्तर पर 1 अप्रैल 2010 से लागू किया गया है, जो 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्रदान करता है।उत्तर प्रदेश सरकार ने आरटीई अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिए 2011 में अपने राज्य के नियम बनाए, जिन्हें 'उत्तर प्रदेश निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियम' के नाम से जाना जाता है। यह अधिनियम 2009 में पारित किया गया था और 01अप्रैल 2010 से पूरे देश में प्रभावी है। मूल आरटीई ऐक्ट में 01 अप्रैल 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की बाध्यता नहीं थी। इसलिये ऐसे शिक्षक जो उत्तर प्रदेश में आरटीई ऐक्ट लागू होने से पहले नियुक्त हैं, उनके लिये टीईटी लागू करना कहीं से भी सही नहीं है।जिला महामंत्री राजेंद्र अनुरागी ने कहा कि शिक्षकों के साथ सरकार ने धोखा किया है। इससे शिक्षक गहरी मानसिक वेदना से गुजर रहे हैं।शिक्षा मित्र संघ के जिलाध्यक्ष वसीम अहमद ने कहा कि शिक्षकों के साथ इस अन्याय की लड़ाई में शिक्षा मित्र संघ शिक्षकों के साथ है।टीएससीटी के प्रदेश अध्यक्ष व संस्थापक विवेकानंद आर्या ने कहा कि सेवारत शिक्षकों के लिए इतने वर्षों बाद सेवा शर्तों में इस तरह का परिवर्तन शिक्षकों के साथ घोर अन्याय है। उपस्थित हजारों शिक्षकों ने टेट लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने का अनुरोध किया।इस अवसर पर प्रयागराज मंडल अध्यक्ष अलका बाजपेई, वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष भूपेंद्र वीर सिंह, मंडल उपाध्यक्ष मनोज पाठक, मंडल उपाध्यक्ष अनीता पांडेय, जिला कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह पटेल, ब्रह्म प्रकाश, दिनेश मिश्रा, कृष्ण शंकर मिश्र, अजीत प्रताप सिंह, भारतेन्द्र त्रिपाठी, अनुराग पांडेय, निशा शुक्ला, जया शर्मा, रंजना द्विवेदी, शकील अहमद, श्यामाकांत द्विवेदी, सुनील कुमार शुक्ल, बबिता वर्मा, सुनील तिवारी, सुधेश पांडेय, संजीव, रजक, दुर्गा जायसवाल, संध्या सिंह, जितेन्द्र कुमार शर्मा, इरफ़ान अहमद, इन्द्रेश कुमार तिवारी, महेश कुमार शुक्ल, धर्मेन्द्र पांडेय, सीबी यादव, यामवंत, अरूणेश त्रिपाठी, छविनाथ तिवारी, विनोद कुमार मिश्र, सैयद दानिश इमरान, जीतेंद्र कुमार जीतू आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

राजा हरिश्चंद्र की प्रस्तुति में लोक कलाकारों ने किया भाव विभोर

सत्य की जीत एवं भाईचारे का दिया संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महात्मा गांधी से लेकर न जाने कितने लोग सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र नाटक की कथा से प्रभावित हुए हैं, लेकिन जब इस कथा को नौटकी शैली में सांस्कृतिक केंद्र प्रेक्षागृह में लोक कलाकारों ने मंचित किया तो पूरा प्रेक्षागृह भाव विभोर हो गया। नीति, दर्शन, नैतिकता, सत्यवादिता सहित इस कथा के अनेक पहलुओं ने दर्शकों को बांधे रखा। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय नौटंकी समारोह में गुरुवार को नौटंकी की कानपुर की शैली और कलाकारों के देसज संवाद ने लोगों को जोड़े रखा। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने मुख्य अतिथि प्रो. स्वतंत्र शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

नौटंकी प्रशिक्षण केंद्र, कानपुर की ओर से की गई प्रस्तुति में अनुप्रिया चौहान राजा हरिश्चंद्र की पत्नी तारामति की भूमिका में थी तो उपहार मिश्रा हरिश्चंद्र की भूमिका में। कार्यक्रम के प्रारंभ में

कलाकारों ने प्रसिद्ध लोक रचनाएं रंगमंच के चरणों में रंगकर्मी शीश नवाता है, रंगकर्मी का जन्म जन्म से नाता है। की झलक दिखाई तो दर्शकों तालियों से इसका स्वागत किया। कहानी सत्यव्रत के पुत्र राजा हरिश्चंद्र उनकी पत्नी तारा एवं पुत्र रोहित के ईर्द-गिर्द घूमती है। राजा हरिश्चंद्र की प्रसिद्धि चारों ओर फैल जाती है। ऋषि विश्वामित्र उनकी इस सत्य निष्ठा की परीक्षा स्वयं लेना चाहते हैं। एक दिन राजा हरिश्चंद्र ने सपना देखा कि उन्होंने अपना सारा राजपाट विश्वामित्र को सौंप दिया है। अगले ही दिन विश्वामित्र राजा के पास साक्षात पहुंच जाते हैं। राजा ने अपना सब कुछ विश्वामित्र को सौंप दिया। जब हरिश्चंद्र ने विश्वामित्र से पांच मुहरें मांगी तो उन्होंने कहा कि राजन आप सबकुछ दान में दे चुके हैं। फिर हरीशचंद्र ने श्मशानघाट पर काम किया। उनके बेटे को सर्प ने काट लिया। वहां भी उन्हें सत्य की परीक्षा देनी पड़ी। सत्यवादिता के चलते उनका बेटा भी भगवान की कृपा से जीवित हो गया। विश्वामित्र ने सारा राजपाट वापस कर दिया। राजा हरिश्चंद्र का काशी में बिकना, विश्वामित्र, हरिश्चंद्र संवाद हरिश्चंद्र का अपनी पत्नी और पुत्र से संवाद सहित कई अन्य संवाद जहां दर्शकों की आंखों में आंसू लाते हैं वहीं हरिश्चंद्र के बाग के माली का प्रकरण और विश्वामित्र तथा गणिकाओं का संवाद दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान भी लाता है। पारंपरिक वाद्य यंत्र इस नौटंकी की मौलिकता में चार चांद लगा रहे थे। इस अवसर पर ब्रिगेडियर ए.एस. चौहान, मान सिंह तोमर, सुनीता चौहान, प्रदीप भटनागर सहित काफी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय पैगम्बरपुर में किया गया वृक्षारोपण

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरुवार को विकास खंड बहरिया अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय पैगम्बरपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेनू साहू ने कहा कि प्रकृति को बचाने का सबसे उत्तम तरीका वृक्षारोपण है। वृक्ष हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि पौधे न केवल फल और छाया देते हैं बल्कि प्रदूषण रोकने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होते हैं।उन्होंने लोगों को जागरुक करते हुए प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और उसकी देखभाल भी करें। उन्होंने कहा कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देना है तो वृक्ष लगाना ही होगा।इस अवसर पर शिक्षिका इंदु कुमारी, श्वेता श्रीवास्तव सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने मिलकर पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का 20वाँ दीक्षांत समारोह कल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद का 20वाँ दीक्षांत समारोह 13 सितम्बर (शनिवार) को अपराह्न 2:30 बजे झलवा परिसर के मुख्य सभागार में आयोजित होगा। इस अवसर पर कुल 648 छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की जाएँगी।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. टी. जी. सीताराम मुख्य अतिथि होंगे। गेनकोवल स्ट्रैटेजिक सर्विसेज प्रा. लि., मुंबई के चेयरमैन श्री दीपक घेइसास एवं मॉर्गन स्टेनली के उपाध्यक्ष श्री कमलेश लाहोटी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

उपाधि और पदक वितरण संस्थान के निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावने ने प्रेस वार्ता में बताया कि इस बार 648 उपाधियों के साथ 22 पदक भी मेधावी छात्रों को प्रदान किए जाएंगे।

एम.टेक (ईसीई): स्वर्ण - आयुष मौर्य, रजत - ऋषित कनौजिया, कांस्य - विशाल चौधरी

मुख्य संबोधन दीक्षांत समारोह में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. भीम सिंह दीक्षांत भाषण देंगे। प्रो. सिंह एक प्रख्यात शिक्षाविद और शोधकर्ता हैं, जिन्होंने अब तक 1, 350 से अधिक शोधपत्र और 1, 850 से अधिक कॉन्फ्रेंस पेपर प्रकाशित किए हैं। उनके मार्गदर्शन में 149 पीएचडी एवं 184 एम.टेक/एम.एस. शोध पूरे हो चुके हैं।प्लेसमेंट रिपोर्ट (सत्र 2025) बी.टेक: 431 पंजीकृत छात्रों में से 424 का चयन (98.4इ प्लेसमेंट)

औसत पैकेज: ?32 लाख प्रतिवर्ष, मीडियन पैकेज: ?26 लाख 59 प्री-प्लेसमेंट ऑफर, 135 एफटीई इंटर्नशिप ऑफर और 96 पूर्णकालिक ऑफर

कुल ऑफर: 482

एम.टेक: 122 में से 102 छात्रों का चयन (84इ प्लेसमेंट)

औसत पैकेज: 16.8 लाख प्रतिवर्ष, मीडियन पैकेज: 13 लाख एम.टेक (आईटी) में 83इ और एम.टेक (ईसीई) में 93इ प्लेसमेंट दर संस्थान ने कहा कि वर्ष 1999 से स्थापित आईआईआईटी-अलाहाबाद निरंतर आईटी एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बनाए हुए है और इसके स्नातक उद्योग जगत में नई पहचान बना रहे हैं।

डायट में नवाचार एवं नॉलेज शेयरिंग प्रोग्राम का हुआ सफल समापन

'यह नवाचार एवं नॉलेज शेयरिंग केवल डायट परिसर तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे ज़िले तक पहुँचे और प्रतिभागी जिला स्तर पर भी अपना झंडा गाड़ते हुए राज्य स्तर तक पहुंचे'- डायट प्राचार्य, राजेन्द्र प्रताप

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज में 10 और 11 सितंबर को आयोजित नवाचार एवं नॉलेज शेयरिंग प्रोग्राम का समापन गरिमामयी वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में डॉ हरिष सिंह एवं डॉ रुचि दुबे शामिल रहे, जबकि मार्गदर्शन रूप में डायट प्राचार्य श्री राजेन्द्र प्रताप की सम्मानजनक उपस्थिति रही।

इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने-अपने नवाचारों को निर्णायक मंडल के समक्ष पीपीटी एवं हार्ड कॉपी के रूप में प्रस्तुत किया। निर्णायकों ने सभी 22 ब्लॉकों से आए प्रतिनिधियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सांत्वना पुरस्कार एवं सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किया।

साथ ही, डीएलएड प्रशिक्षण 2023-2024 बैच के प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण की कड़ी में सर्वप्रथम प्राथमिक स्तर पर तृतीय पुरस्कार रिता शर्मा (सोराव ब्लॉक), द्वितीय पुरस्कार अर्चना त्रिपाठी (उरुवा) एवं पूनम चौधरी (श्रृंगवेरपुर धाम ब्लॉक) को दिया गया। उच्च

प्राथमिक स्तर पर तृतीय पुरस्कार सीमा मिश्रा (सैदाबाद), द्वितीय पुरस्कार सुषमा यादव (कौड़िहार - 1 ब्लॉक) तथा प्रथम पुरस्कार नीलकमल सहाय (कोरियार -2 ब्लॉक) को प्राप्त हुआ। डायट प्रतिभागियों में तृतीय स्थान वीरभद्र प्रताप, द्वितीय स्थान डा. अंबालिका मिश्रा और प्रथम स्थान डा. प्रसून सिंह को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में शील्ड एवं प्रमाणपत्र वितरण किया गया। अपने समापन संबोधन में प्राचार्य श्री राजेन्द्र प्रताप ने सभी प्रवक्ताओं एवं प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल डायट तक सीमित न रहकर राज्य स्तर तक अपनी पहचान बनाएगा। उन्होंने कार्यक्रम की संयोजक ऋचा राय एवं निधि मिश्रा की समन्वय क्षमता की प्रशंसा की और कहा कि यह आयोजन टीम भावना एवं सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। विजित प्रतिभागियों के नवाचार एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज राज्य स्तर पर प्रेषित किए जाएंगे। इस अवसर पर डायट के सभी प्रवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ राजेश पाण्डेय द्वारा कि गया।

सम्पादकीय

चीन से करीबी और भारत से दूरी के अलावा प्हल राष्ट्र का तमगा हटाना नेपाल को पड़ा भारी

नेपाल में आज जिस तरह लोकतंत्र भरभराकर ढह गया उससे देश के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है। देखा जाये तो नेपाल की घटनाएं केवल राजनीतिक संकट नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को झकझोर देने वाली चेतावनी हैं। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारी जनाक्रोश और हिंसा के बीच इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और कई वरिष्ठ नेताओं के घरों पर हमले हुए जिसके बाद उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया। इसके अलावा, संसद, सर्वोच्च न्यायालय और सरकारी दफ्तरों को आग के हवाले कर दिया गया। सड़कों पर युवा प्रदर्शनकारियों ने न केवल मंत्रियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा बल्कि राजधानी काठमांडू तक को असुरक्षित बना दिया। यह दृश्य नेपाल की राजनीति और लोकतंत्र की दिशा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

देखा जाये तो इस पूरे आंदोलन की पृष्ठभूमि में भ्रष्टाचार विरोधी जनाक्रोश और जेन-जेड की अगुवाई वाला असंतोष है। सरकार द्वारा सोशल मीडिया प्रतिबंध ने आग में घी डालने का काम किया, जिसे अंततः वापस लेना पड़ा। लेकिन तब तक हालात बेकाबू हो चुके थे। लगभग 20 से ज्यादा लोगों की जान गई, सैंकड़ों घायल हुए और नेपाल की नाजुक राजनीतिक व्यवस्था फिर से हिल गई।

नेपाल का यह संकट भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया के लिए चिंता का विषय है। इसके चलते भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ानी पड़ी है। यदि अस्थिरता लंबी खिंचती है तो यह भारत की सुरक्षा और व्यापार दोनों को प्रभावित करेगी। यहां यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि हाल के वर्षों में नेपाल का झुकाव चीन की ओर बढ़ा है। लेकिन अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या काठमांडू की बीजिंग-नज़दीकी ने ही उसकी राजनीति को और उलझा दिया है? चीन की मदद से आर्थिक विकास की अपेक्षा थी, लेकिन जनता को न भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली, न रोज़गार।

देखा जाये तो दक्षिण एशिया में नेपाल को अक्सर 'नए लोकतंत्र' के रूप में देखा जाता था। यदि यहां संस्थाएँ भीड़तंत्र के सामने कमजोर साबित होती हैं, तो यह क्षेत्रीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रतिष्ठा पर भी आघात है। जब संसद और सर्वोच्च न्यायालय जैसी संस्थाओं पर भीड़ हमला करती है, तो यह संकेत है कि जनविश्वास बुरी तरह टूटा है। सवाल यह है कि क्या नेपाल का लोकतंत्र इस बार फिर से खुद को पुनर्जीवित कर पाएगा, या हिंसा और अराजकता उसका स्थायी चेहरा बन जाएगी।

हम आपको याद दिला दें कि 2006 के बाद नेपाल ने खुद को हिंदू राष्ट्र से धर्मनिरपेक्ष गणराज्य घोषित किया। इसलिए आज यह प्रश्न भी खड़ा हो रहा है कि क्या इस निर्णय से जनता का बड़ा वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस करता है और हालिया असंतोष इसी से उपजा है? हालात को देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि धर्मनिरपेक्ष पहचान ने नेपाल में गहरे सामाजिक द्वंद्व को जन्म दिया है। समाज का एक बड़ा हिस्सा इस बदलाव को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से विच्छेद मानता है।

साथ ही राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री का इस्तीफा एक समाधान नहीं, बल्कि अस्थायी मरहम है। जब तक राजनीतिक दल जनता को पारदर्शिता और जवाबदेही का भरोसा नहीं देंगे, तब तक संकट दोहराता रहेगा। देखा जाये तो नेपाल के युवाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अब भ्रष्टाचार, परिवारवाद और सत्ता के दुरुपयोग को सहन नहीं करेंगे। लेकिन क्या यह ऊर्जा लोकतांत्रिक पुनर्निर्माण में लगेगी, या अराजकता और हिंसा में बदल जाएगी, यह नेपाल के भविष्य का निर्णायक प्रश्न है। इसके अलावा, चीन के साथ बढ़ती निकटता ने नेपाल को आर्थिक और सामरिक लाभ तो नहीं दिलाया, उल्टे नई निर्भरता और असंतोष पैदा कर दिया। भारत से दूरी और चीन पर भरोसा करना शायद नेपाल की कूटनीतिक भूल साबित हो रहा है।

अनिश्चित भविष्य एवं आभासी दुनिया से दुःखी युवा पीढ़ी

पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों, उनमें बढ़ रहे तनाव एवं दुःखों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनके जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो, अन्यथा युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन के स्थान पर हिंसा-आतंक-विध्वंस की स्थितियां विकराल होती जायेगी, जैसाकि नेपाल में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दशकों तक यह मान्यता रही कि जीवन की मध्य आयु वर्ग यानी 40 से 50 वर्ष के लोग ही सबसे अधिक अवसादग्रस्त, तनावग्रस्त, क्रोधित और दुखी होते हैं। युवावस्था और बुजुर्गावस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न और संतुलित मानी जाती थी। लेकिन हाल के वैश्विक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट सहित अनेक शोध बताते हैं कि दुख और तनाव की शुरुआत अब युवावस्था से ही होने लगी है। सबसे खुशी, मस्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने वाली यह पीढ़ी अब सबसे अधिक तनावग्रस्त हो गयी है, जो गहन चिन्ता का सबबे है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका और मध्यपूर्व जैसे 44 देशों के आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आज की युवा पीढ़ी बुजुर्गों से भी अधिक कमजोर है। युवाओं की इस स्थिति के पीछे कई कारण बताए जाते हैं, जैसे रोजगार की असुरक्षा, भविष्य की अनिश्चितता, कार्यस्थलों का दबाव, प्रतिस्पर्धा का वातावरण और सबसे बड़ा कारक सोशल मीडिया का बढ़ता हस्तक्षेप। आभासी दुनिया युवाओं को बड़े सपने तो दिखाती है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाइयों से उनका सामना नहीं कराती। यही कारण है कि वास्तविक चुनौतियों से टकराते ही वे टूटने लगते हैं।

आज के युवा सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहते हैं। देर रात तक स्क्रीन से चिपके रहना

उनकी नींद और दिनचर्या दोनों को प्रभावित कर रहा है। आभासी मित्रता और लाइक्स की दुनिया में उन्हें वास्तविक संबंधों की गर्मजोशी नहीं मिल पाती। संवाद की जगह इमोजी ले लेते हैं और भावनाओं का स्थान वृत्रिम पोस्ट। परिणामस्वरूप वे वास्तविक सामाजिक जीवन से कटते जा रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जब इंसान अपने मित्रों, परिवार और समाज के साथ आमने-सामने संवाद करता है, तो तनाव कम होता है। कृतज्ञता का भाव मानसिक संतुलन को बनाए रखता है। परंतु डिजिटल आभामंडल में जीने वाला युवा जब अपनी तुलना लगातार दूसरों की सफलता और भौतिक समृद्धि से करता है, तो उसमें हीनभावना और निराशा जन्म लेती है। यही निराशा कई बार आक्रोश और हिंसा का रूप ले लेती है।

सवाल यह है कि मानसिक तनाव का सीधा रिश्ता हिंसा से कैसे जुड़ रहा है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति भीतर से असुरक्षित, असंतुष्ट और हताश होता है तो उसकी ऊर्जा रचनात्मकता की बजाय विध्वंसक रास्ते पकड़ लेती है। जिन युवाओं को उचित दिशा, रोजगार और सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती, वे गुस्से में समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। यही गुस्सा कई बार सामाजिक अशांति, अपराध और दंगों के रूप में सामने आता है। यह वैश्विक ट्रेंड केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और विशेष रूप से नेपाल में हालिया परिदृश्य इसका उदाहरण है। नेपाल में पिछले महीनों हुए दंगे, हाल की युवाक्रांति और युवा आंदोलनों ने इस सच्चाई को सामने ला दिया कि निराशा से भरे युवाओं की ऊर्जा किस तरह हिंसा और अराजकता का रूप ले सकती है। नेपाल का इतिहास ही युवा आंदोलनों से भरा रहा है। राजतंत्र से लोकतंत्र और फिर लोकतांत्रिक अस्थिरता के बीच युवा हमेशा निर्णायक शक्ति रहे हैं। हाल ही में नेपाल में हुए दंगों और विरोध प्रदर्शनों के केंद्र में भी युवा ही थे। नेपाल के युवा लंबे समय से बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं। वहां की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा 30 वर्ष से कम आयु का है, लेकिन रोजगार और अवसरों की कमी उन्हें या तो प्रवासी मजदूरी की ओर धकेल रही है या फिर हिंसक आंदोलनों की ओर। सोशल मीडिया इस असंतोष को और हवा दे रहा है। एक तरफ वहां पर नई राजनीतिक चेतना के स्वर सुनाई देते हैं, दूसरी तरफ यह चेतना जब रचनात्मक दिशा नहीं पाती तो दंगे, हिंसा और अराजकता का रूप ले लेती है।

नेपाल के हालिया आंदोलन यह भी बताते हैं कि युवा सिर्फ रोजगार और आर्थिक अवसर ही नहीं चाहते, वे सामाजिक न्याय, ईमानदार एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन और राजनीतिक स्थिरता की भी मांग कर रहे हैं। लेकिन जब इन मांगों को अनसुना किया जाता है, तो वही आक्रोश सड़क पर हिंसा के रूप में फूट पड़ता है। यदि हम नेपाल की घटनाओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह सिर्फ एक देश की समस्या नहीं है। यह उस वैश्विक संकट की झलक है जिसमें पूरी दुनिया की युवा पीढ़ी फंसी हुई है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों में भी 2016 के बाद से चालीस वर्ष से कम उम्र के युवाओं में अवसाद और चिंता बढ़ी है। एशिया और अफ्रीका जैसे विकासशील देशों में रोजगार की असुरक्षा ने युवाओं को और हताश किया है। तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रयोग ने श्रम आधारित रोजगार के अवसर सीमित कर दिए हैं। नेपाल उसी वैश्विक प्रवृत्ति का एक प्रतिरूप है जहां निराशा और तनाव ने हिंसा का रूप ले लिया है।

युवाओं के दुख, तनाव और हिंसा की प्रवृत्ति को केवल नीतियों या आर्थिक सुधारों से नहीं रोका जा सकता। इसके लिए बहुस्तरीय प्रयासों की जरूरत है। युवाओं को आभासी जीवन से बाहर लाने और वास्तविक संवाद व संबंधों की ओर प्रेरित करना होगा। सरकारों को युवाओं के लिए स्थायी और सुरक्षित रोजगार के अवसर सृजित करने होंगे। शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर जीवन कौशल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी केंद्रित करना जरूरी है। अवसाद और चिंता को कलंक की बजाय सामान्य समस्या मानकर परामर्श सेवाएं उपलब्ध करानी होंगी। युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी में लगाना होगा ताकि उनकी निराशा हिंसा की ओर न मुड़े। युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न करने होंगे।

युवा पीढ़ी किसी भी समाज का भविष्य होती है। लेकिन जब यही पीढ़ी दुख, तनाव और हिंसा के दुष्चक्र में फंस जाती है तो समाज का भविष्य ही संकटग्रस्त हो जाता है। युवा सपनों को आकार देने का अर्थ है सम्पूर्ण मानव जाति के उन्नत भविष्य का निर्माण। यह सच है कि हर दिन के साथ जीवन का एक नया लिफाफा खुलता है, नए अस्तित्व के साथ, नए अर्थ की शुरूआत के साथ, नयी जीवन दिशाओं के साथ। हर नई आंख देखती है इस संसार को अपनी ताजगी भरी नजरों से। इनमें जो सपने उगते हैं इन्हीं में नये समाज की, नयी आदमी की नींव रखी जाती है। नेपाल के हालिया दंगे इस खतरे की चेतावनी हैं। यह सिर्फ नेपाल का प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का प्रश्न है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को केवल सपने ही न दिखाएँ, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जूझने का संबल दें। असीमित आकांक्षाओं और कठोर यथार्थ के बीच संतुलन स्थापित करना ही मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक शांति की कुंजी है। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो युवा आक्रोश न केवल दंगों और हिंसा का कारण बनेगा बल्कि पूरी सभ्यता की स्थिरता को चुनौती देगा एवं महाविनाश का कारण बनेगा।

एक दस्तावेज ने मचाया पूरे पाकिस्तान में बवाल अचानक ट्रंप के पास क्यों पहुंची मुनीर की पत्नी

पाकिस्तान की राजनीति और सेना में एक पुरानी बीमारी घर कर चुकी है। अपनी मिट्टी से मोहब्बत कम और विदेशों की गोद में जाकर आराम फरमाने का लालच ज्यादा रहता है। जनरल से लेकर जर्नलिस्ट तक, सियासी लीडर से लेकर उनके परिवार तक हर कोई मेड इन पाकिस्तान तो जरूर होता है। लेकिन उनका दिल, उका भरोसा उनकी पूंजी और उनके बच्चे ज्यादातर विदेशों में ही होते हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान का सिस्टम, पाकिस्तान की राजनीति और पाकिस्तान की सेना तीनों की जड़ें खोखली होती जा रही हैं। पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों और नेताओं का लगाव अपने ही मुल्क से कम और विदेशों से ज्याद दिखाई देता है। रिटायरमेंट के बाद ये अक्सर दूसरे देशों में जाकर बस जाते हैं। इनके बच्चे भी बाहर ही पढ़ते हैं। सोशल मीडिया पर एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने सभी को चौंका दिया है। दावा किया गया है कि पाकिस्तान की आर्मी चीफ की पत्नी अमेरिका पहुंच गई है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की पत्नी शईदा इरम को लेकर बड़ी चर्चा चल रही है। आपको बता दें कि जिस वक्त भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था और पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नेस्तोनाबूद किया गया था। उस वक्त पाकिस्तान के कई एलिट क्लास लोगों ने अपने परिवार को देश से बाहर भेज दिया था। उनमें से एक पाकिस्तान के फेल्ड मार्शल आसिम मुनीर भी थे, जिन्होंने अपने परिवार को बाहर शिफ्ट करा दिया था। उस वक्त खबर आई थि कि उनकी पत्नी अमेरिका में जाकर छुप गई थी।

जून के पहले हफ्ते में इन्होंने अमेरिका की नागरिकता के लिए अप्लाई किया था। 22 जून को सारे जरूरी डॉक्यमेंट जमा करा आए। 22 अगस्त को आसिम मुनीर की पत्नी को अमेरिका की नागरिकता मिल गई। आसिम मुनीर की पत्नी का नाम शाहिदा इरम है और उनके तीन बच्चे हैं। आप तौर पर अमेरिका की नागरिकता पाने के लिए लोगों को कई प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। सालों लग जाते हैं। लेकिन मुनीर की पत्नी को तीन महीने भी नहीं लगे और अमेरिका की नागरिकता मिल गई। यानी सुपरफास्ट सर्विस के साथ।

आपको ये जानकर हैरानी होगी कि पाकिस्तान का कोई ऐसा आर्मी चीफ नहीं है जो अभी पाकिस्तान में रहता हो। अशफाक कियानी, राहिल शरीफ से लेकर निर्वतमान आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा तक सभी पाकिस्तान से बाहर हैं। यानी पाकिस्तान के आर्मी चीफ रिटायरमेंट के बाद अपना देश छोड़ देते हैं। ये 100 इ का ट्रैक रिकॉर्ड है। अब ऐसे में आसिम मुनीर की तरफ से परंपरा, प्रतिष्ठा और अनुशासन को कैसे तोड़ा जा सकता था। पहले परिवार को शिफ्ट कराया और फिर रिटायर होने के बाद खुद भी वहां की ओर रवाना होना पाकिस्तान के आर्मी चीफ का पुराना ढर्रा रहा हो। नवाज शरीफ तो ब्रिटेन में कई सालों से जमे बैठे हैं। वहीं मरियम नवाज से लेकर बिलावल तक सभी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है।

अमेरिका ने सीजफायर कराने का दावा किया और आसिम मुनीर

ने ट्रंप को नोबेल प्राइज के लिए नॉमिनेट करने की बात कह डाली। इसके बाद स्टीफ विटकॉफ के बेटे जैक विटकॉफ आकर क्रिप्टोकरेंसी पुल को लेकर डील हुई थी। दुबई में बनी एक संदिग्ध ब्लॉकचेन फर्म हाईलैंड सिस्टम्स के जरिए यह सारा नेटवर्क खड़ा किया जा रहा है। हाईलैंड सिस्टम्स की मदद से पाकिस्तान सरकार ब्लॉकचेन और क्रिप्टो माइनिंग तकनीक विकसित करेगी। कंपनी में ट्रम्प के बेटे एरिक ट्रम्प और पाकिस्तान के टॉप मिलिट्री कॉन्ट्रैक्टर्स भी साझेदार हैं। आर्थिक अस्थिरता और सरकार की अमेरिका के साथ संबंध सुधारने की तत्परता जैसे कारण पाकिस्तान को ट्रम्प के कुनबे के लिए क्रिप्टो हब बनाने के लिए एक आदर्श देश बना रहे हैं। अब ऐसे में पाकिस्तान ने ट्रंप का फायदा करा दिया। अब ट्रंप को भी फायदा कराना था। पैसों के अलावा परिवार के फ्यूचर पर मुनीर ने जोर दिया।

पाकिस्तानी सेना दुनिया की पहली 'बिजनेस आर्मी' है। पाकिस्तानी सेना 50 से ज्यादा ट्रस्ट और फाउंडेशन चलाती है। इनमें आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट, फौजी फाउंडेशन, शाहीन फाउंडेशन, बहरिया फाउंडेशन और डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए) प्रमुख हैं। इनके तहत विभिन्न उद्योगों में कार्यरत कंपनियां शामिल हैं। इसका मुनाफा सीधे पाकिस्तानी आर्मी को जाता है। पाकिस्तानी सेना सबसे बड़ी रियल एस्टेट डेवलपर मानी जाती है। डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (डीएचए) के पास राजधानी इस्लामाबाद में 16, 000 एकड़, कराची में 12, 000 एकड़ और लाहौर में 60, 000 एकड़ शहरी जमीन का नियंत्रण है। फौजी फाउंडेशन फौजी सीमेंट नामक ब्रांड चलाता है। उर्वरक (फौजी फर्टिलाइजर), गैस (फाउंडेशन गैस) और चीनी मिल (फौजी शुगर मिल्स) जैसे व्यवसाय भी हैं। इसकी संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 35 मिलियन डॉलर बताया जाता है।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था- 'प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।' यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास

की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1, 600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60, 000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं।

देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के सामने आने वाली गंभीर समस्याओं को प्रस्तुत करने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और वित्त राज्य मंत्री से मुलाकात की

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सांसद (भदोही) डॉ. विनोद कुमार बिंद के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल के साथ भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के संकट और तत्काल नीतिगत जरूरतों को उजागर किया।

प्रतिनिधिमंडल में एआईसीएमए के अध्यक्ष रजा खान, सीईपीसी के सीओए सदस्य असलम महबूब, सीईपीसी के सीओए सदस्य पीयूष कुमार बरनवाल, सीईपीसी के सीओए सदस्य संजय गुप्ता, सीईपीसी के सीओए सदस्य महावीर प्रताप शर्मा और ओबीटी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजेश शर्मा भी शामिल थे।

इसी प्रतिनिधिमंडल ने भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री, पंकज चौधरी से भी मुलाकात की और भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग की चिंताओं और समस्याओं पर प्रकाश डाला।

डॉ. विनोद कुमार बिंद ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और पंकज चौधरी, वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार के समक्ष हस्तनिर्मित कालीन उद्योग का जोरदार प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि 20 लाख से ज़्यादा बुनकर और कारीगर, जिनमें से ज़्यादातर ग्रामीण उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में रहते हैं, अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर इस क्षेत्र पर निर्भर हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस विरासत शिल्प की सुरक्षा न केवल व्यापार का विषय है, बल्कि ग्रामीण रोज़गार, महिला सशक्तिकरण और भारत की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का भी विषय है। उन्होंने उद्योग के बारे में जानकारी दी और कहा कि उद्योग के निम्नलिखित मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिएः

2, 097 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में 20 लाख से ज़्यादा कारीगरों, जिनमें से कई महिलाएँ हैं, को रोज़गार प्रदान करता है। श्रम-प्रधान, ग्रामीण-आधारित विरासत क्षेत्र होने के नाते, उत्पादन लागत का 55-65इ मज़दूरी से आता है। अमेरिका सबसे बड़ा बाज़ार बना हुआ है, जो निर्यात का लगभग 60इ हिस्सा है।

सीईपीसी के अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अमेरिकी टैरिफ़ का मुद्दा एक गंभीर चिंता का विषय है, लेकिन अप्रैल-मई में शुरू होने वाली नई निर्यात संवर्धन मिशन योजना के शुभारंभ में देरी से उद्योग और भी विवश है। परिणामस्वरूप, एमएआई योजना, जो छोटे और मध्यम निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने में सहायता करती रही है, में भी देरी हो रही है। इसने निर्यातकों को वैश्विक बाज़ारों में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने से रोका है–जो अंतर्राष्ट्रीय पहुँच और बाज़ार विविधीकरण में एक बाधा है। हस्तनिर्मित कालीन उद्योग रूस, चीन और लैटिन अमेरिका में बाज़ार विविधीकरण की दिशा में भी सक्रिय रूप से काम कर रहा है, और उन्होंने सरकार से इन देशों के साथ व्यापार समझौतों पर विचार करने का आह्वान किया ताकि इन देशों के आयात शुल्क को कम करके एक संतुलित व्यापार संबंध सुनिश्चित किया जा सके।

असलम महबूब ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का लगभग 60इ हस्तनिर्मित कालीन अमेरिकी बाजार में निर्यात किया जाता है। टैरिफ में भारी वृद्धि और निर्यातकों पर इसके गंभीर प्रभाव को देखते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उद्योग की सुरक्षा और लाखों बुनकरों की आजीविका की रक्षा के लिए एक बेलआउट पैकेज अत्यंत आवश्यक है।

एआईसीएमए के अध्यक्ष रज़ा खान ने कहा कि हस्तनिर्मित कालीन उद्योग लाखों बुनकरों की जीवन रेखा है और इसे कृषि क्षेत्र के समान माना जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नीतियों का मसौदा तैयार करते समय, सरकार को इसे एक विशेष उद्योग के रूप में मान्यता देनी चाहिए जो इसके सामाजिक-आर्थिक महत्व और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने में इसकी भूमिका को देखते हुए प्राथमिकता और अनुरूप समर्थन का पात्र है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार इस मुद्दे से पूरी तरह अवगत है और इस पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को हस्तनिर्मित कालीनों के लिए एक अलग एचएसएन कोड बनाने और भारतीय कालीन उद्योग की रक्षा के लिए तुर्की से मशीन-निर्मित कालीनों पर आयात शुल्क बढ़ाने पर विचार करने के निर्देश दिए।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने भारत के निर्यात और ग्रामीण रोज़गार में इस क्षेत्र के योगदान की भी सराहना की और निर्यात प्रोत्साहन उपायों पर विचार और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भागीदारी के लिए बढ़ी हुई सहायता सहित हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने संबंधित अधिकारियों को भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लिए नए बाज़ारों की पहचान और विकास के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नए अवसरों की तलाश और भारत की वैश्विक पहुँच को मज़बूत करने के लिए संभावित देशों में आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भेजे जाएँ।

वित्त मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि बहुप्रतीक्षित एमएआई योजना जल्द ही पुनः शुरू की जाएगी, जिससे निर्यातक, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यम, एक बार फिर वैश्विक प्रदर्शनियों में भाग ले सकेंगे और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत की उपस्थिति को मजबूत कर सकेंगे।

वित्त राज्य मंत्री, पंकज चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वित्त विभाग से संबंधित सभी मुद्दों की विधिवत जाँच की जाएगी और उद्योग को सहयोग देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँगे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की, जो न केवल बहुमूल्य विदेशी मुद्रा अर्जित करता है, बल्कि ग्रामीण भारत में 20 लाख से अधिक बुनकरों और कारीगरों की आजीविका भी चलाता है।

असलम महबूब ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का लगभग 60इ हस्तनिर्मित कालीन अमेरिकी बाजार में निर्यात किया जाता है। शुल्क में भारी वृद्धि और निर्यातकों पर इसके गंभीर प्रभाव को देखते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उद्योग की सुरक्षा और लाखों बुनकरों की आजीविका की रक्षा के लिए एक बेलआउट पैकेज नितांत आवश्यक है।

एआईसीएमए के अध्यक्ष रज़ा खान ने कहा कि हस्तनिर्मित कालीन उद्योग लाखों बुनकरों की जीवन रेखा है और इसे कृषि क्षेत्र के समान माना जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नीतियों का मसौदा तैयार करते समय, सरकार को इसे एक विशेष उद्योग के रूप में मान्यता देनी चाहिए जिस पर प्राथमिकता से ध्यान देने और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने में इसके सामाजिक-आर्थिक महत्व और भूमिका को देखते हुए, आवश्यकतानुसार समर्थन दिया जाना चाहिए।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार इस मुद्दे से पूरी तरह अवगत है और इस पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत हस्तनिर्मित कालीनों के लिए एक अलग एचएसएन कोड बनाने और भारतीय कालीन उद्योग की रक्षा के लिए तुर्की से मशीन-निर्मित कालीनों पर आयात शुल्क बढ़ाने पर विचार करने का निर्देश दिया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने भारत के निर्यात और ग्रामीण रोज़गार में इस क्षेत्र के योगदान को भी स्वीकार किया और निर्यात प्रोत्साहन उपायों पर विचार और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भागीदारी के लिए बढ़ी हुई सहायता सहित हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने संबंधित अधिकारियों को भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लिए नए बाज़ारों की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि नए अवसरों की तलाश करने और भारत की वैश्विक पहुँच को मज़बूत करने के लिए संभावित देशों में आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भेजे जाएँ।

मंत्री ने आगे आश्वासन दिया कि लंबे समय से प्रतीक्षित एमएआई योजना को जल्द ही फिर से शुरू किया जाएगा, जिससे निर्यातकों, विशेष रूप से लघु और मध्यम उद्यमों को एक बार फिर वैश्विक प्रदर्शनियों में भाग लेने और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत की उपस्थिति को मज़बूत करने में मदद मिलेगी।

वित्त राज्य मंत्री, पंकज चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वित्त विभाग से संबंधित सभी मुद्दों की विधिवत जाँच की जाएगी और उद्योग को समर्थन देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँगे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो न केवल मूल्यवान विदेशी मुद्रा अर्जित करता है, बल्कि ग्रामीण भारत में 20 लाख से अधिक बुनकरों और कारीगरों की आजीविका भी चलाता है।

प्रतिनिधिमंडल ने धारा 43बी(एच) के अंतर्गत आने वाली चुनौतियों सहित गंभीर वित्तीय चिंताओं को भी उठाया, जहाँ 15/45-दिन की भुगतान शर्त हस्तनिर्मित कालीनों जैसे लंबी अवधि के निर्यात-उन्मुख उद्योग के लिए अव्यावहारिक है, और 180 दिनों तक की छूट या क्षेत्र-विशिष्ट छूट की मांग की, जिसे मंत्री ने स्वीकार किया। उन्होंने ब्याज समकारी योजना के विस्तार और संवर्धन का अनुरोध किया, जिसमें ऋण की लागत कम करने और तरलता में सुधार के लिए अनुदान दर को 3इ से बढ़ाकर 5इ करने और इसे अगले तीन वर्षों के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया। मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मंत्रालय इन चिंताओं पर सावधानीपूर्वक विचार करेगा और सरकार उद्योग के हित में उपयुक्त समाधानों को लागू करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगी।

पुलिस अधीक्षक द्वारा पैरोकार, कोर्ट मोहर्रिर व मॉनिटरिंग सेल के पुलिसकर्मियों को मिशन मोड में कार्यवाही हेतु दिये निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही एव शुभम अग्रवालअपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस लाइन ज्ञानपुर में जनपद के क्षेत्राधिकारीगण, सभी थाना प्रभारी, न्यायालय में नियुक्त कोर्ट मोहर्रिर, पैरोकारों, मॉनिटरिंग सेल तथा अभियोजन कार्यालाय के अधिकारीगणों के साथ गोष्ठी की गई। श्रीमान् पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कन्विक्शन' विशेष अभियान के तहत जनपद स्तर पर चिन्हित किए गए अभियोगों में विगत माह के दौरान कृत कार्यवाही व नए अभियोगों के चिन्हीकारण की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गोष्ठी में महोदय द्वारा सभी संबंधित को निर्देशित किया गया कि न्यायालय में सुनवाई के दौरान चल रहे जिन मुकदमों से सम्बंधित गवाह व आरोपी ससमय उपस्थित नहीं हो रहे हैं, उन्हें जरिए जमानतदार समक्ष न्यायालय उपस्थित कराएं। न्यायालय द्वारा जारी किए गए प्रासेस/वसूली वारंट का शत-प्रतिशत तामीला सुनिश्चित कराए। पॉक्सो एक्ट, मिशन शक्ति से सम्बन्धित चिन्हित वादों व टारगेट के अंतर्गत चिन्हित गैंगस्टर एक्ट, आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट व संज्ञेय अपराध इत्यादि वादों में जल्द से जल्द प्रोसेस तामिला कराकर वादों का निस्तारण कराने के लिए निर्देशित किया गया। जिससे अधिक से अधिक वादों में न्यायालय द्वारा दोषी अभियुक्तों को दंडित कराया जा सके।

पंजीकृत अभियोगों में सम्बन्धित थाना प्रभारी, हेड मोहर्रिर, कोर्ट मोहर्रिर व पैरोकार द्वारा आपस में समन्वय कर न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर दोषी अभियुक्तों कम समय में दंडित कराया जाय। पैरोकार, कोर्ट मोहर्रिर व मॉनिटरिंग सेल के पुलिसकर्मियों को मिशन मोडमें कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये।

सचिव पीडब्ल्यूडी ने निर्माणाधीन राजकीय गेस्ट हाउस का निरीक्षण कर मानक अनुसार कार्य पूर्णता पर दिया बल

2 दिवसीय जनपद भ्रमण पर आये आईएएस प्रकाश बिन्दु ने रिंग रोड व फोर लेन सड़क का प्रस्ताव भेजने की पहल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। दो दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम में आये प्रकाश बिन्दु आईएएस सचिव लोक निर्माण विभाग ने जिलाधिकारी शैलेष कुमार के साथ ज्ञानपुर में महिला थाना के सामने निर्माणाधीन राजकीय गेस्ट हाउस सहित अन्य निर्माण कार्यो का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित अवर अभियंता सुबाष को निर्देशित किया कि मानव संसाधन को बढाते हुए गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा दिसम्बर तक कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने बन रहे गेस्ट हाउस के सभी हालों, कक्षों, शौचालय बाथरूम, प्रथम तल पर आधारभूत कार्य सहित विभिन्न बिन्दुओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि बिल्डिंग में सीलन नही आना चाहिए। ईट की गुणवत्ता चिंनाई सामाग्री व अन्य सामाग्री मानक अनुसार ही प्रयोग किया जाय।

जिलाधिकारी ने सचिव लोक निर्माण विभाग को निर्माणाधीन 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय एवं 50 शैय्या क्रिटिकल केयर यूनिट के प्रगति का आसय से अवगत कराते हुए बताया कि निर्धारित समय में ये दोनों परियोजनाएं पूर्ण होकर जनपदवासियों के चिकित्सकीय सुविधाओं को और बढ़ायेगी। प्रकाश बिन्दु ने जनपद के अवस्थापना सेक्टर के अन्तर्गत परिवहन को सुगम व सुलभ बनाने की दिशा में रिंग रोड व फोर लेन सड़क का जनप्रतिनिधों व जनमानस के संवाद कर सहमति पूर्वक प्रस्ताव प्रेषित करने की पहल किया।

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बैठक सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीश के कुशल मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत कल आयोजित की जा रही है। जिसके परिप्रेक्ष्य में अखिलेश दूबे, जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भदोही के निर्देशानुपालन में श्रीमती तरूणिमा पाण्डेय पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही, द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के विचार विमर्श हैंतु जनपद भदोही के समस्त बैंक शाखा प्रबन्धकगण की बैठक जनपद न्यायालय के सभागार कक्ष में आहूत की गयी। जिसमें श्रीमती पुष्पा सिंह, अपर जिला जज प्रथम/नोडल राष्ट्रीय लोक अदालत, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही व बैंक शाखा प्रबन्धकगण उपस्थित आये तथा जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों को निस्तारण किये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

प्रबुद्धजनों के परामर्श व व्यापक जनसहभागिता के साथ विकसित प्रदेश हेतु विजन डॉक्यूमेंट 2047 के निर्माण हुआ सफल संगोष्ठी का आयोजन

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047'' के 02 दिवसीय 04 सत्रों में जनपदवासियों ने विजन डॉक्यूमेंट के निर्माण हेतु विभिन्न संगठनों ने दिये बहुमूल्य सुझाव व विचार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन के मंशानुसार प्रधानमंत्री की दूरदर्शी पहल विकसित भारत 2047 के द्वारा भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप मे स्थापित करने की दिशा में विकसित भारत 2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु मुख्यमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के दो दिवसीय क्रम में शासन द्वारा जनपद भदोही में क्षेत्र विशेष के नामित प्रबुद्धजनों व नोडल अधिकारी द्वारा जनपद के 'विजन डॉक्यूमेंट 2047 के निर्माण हेतु प्रथम सत्र विकास खण्ड औराई के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र बेजवा में कृषक संगठन, स्वयं सहायता समूहों की दीदीयॉ, समाजसेवियों के साथ संवाद एवं द्वितीय सत्र कलेक्टेड्रट सभागार में प्रेस प्रतिनिधियों से संवाद कर फीडबैक रिपोर्टिंग सेशन के साथ गहन विचार विमर्श किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र बेजवा में नामित प्रबुद्धजनों द्वारा जिलाधिकारी व सीडीओ के साथ वृक्षारोपण के साथ पर्यावरणीय संचेतना पर बल दिया गया। ईफ्को की टीम द्वारा ड्रोन को आकास में उड़ाकर नैनो यूरिया छिड़काव की उपयोगिता से उपस्थित कृषकों को जागरूक किया गया। प्रबुद्धजनों ने कृषकों से संवाद करते हुए कृषि, उद्यान, कृषि शिक्षा, चीनी उद्योग, गन्ना विकास, सिंचाई एवं जल संसाधन विकास, सहकारिता, पशुधन संरक्षण केन्द्र के अन्तर्गत पशुपालन एवं डेयरी विकास, मत्स्य विभाग, संतुलित विकास क्षेत्र के अन्तर्गत पर्यावरण एवं जल वायु परिवर्तन, अतिरिक्त उर्जा स्त्रोत आदि सेक्टरों व आयामों पर कृषकों से संवाद कर उत्तर प्रदेश को समर्थ व विकसित बनाने की दिशा में प्रयास किया गया। विकसित आत्मनिर्भर व समर्थ उत्तर प्रदेश 2047 के शताब्दी संकल्प पर आधारित 02 विशेष डॉक्यूमेन्ट्री मूवी का प्रसारण दिखाकर विकास के विविध आयामों से जनपदवासियों को अवगत कराया गया।

इस अवसर पर शासन द्वारा नामित प्रबुद्धजन सर्वज्ञराम मिश्र सेवानिवृत्त आईएएस, चर्तुभुजीनाथ सेवानिवृत्त आईएफएस, प्रोफेसर डॉ0 उमेश चन्द्रा, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या, नामित नोडल अधिकारी प्रकाश बिन्दु आईएएस सचिव लोक निर्माण विभाग द्वारा जिलाधिकारी शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, कृषि विज्ञान केन्द्र के निदेशक डॉ0 विश्वेन्दु द्विवेदी के साथ कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ मां सरस्वती के चत्रि पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन के शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा आये हुए अतिथियों का सम्मान करते हुए कार्यक्रम की प्रासंगिकता व रूपरेखा पर बल दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवं पथ प्रदर्शन हेतु एक विजन डॉक्यूमेंट बनाया जा रहा है। यह विजन डॉक्यूमेट 03 थीम-अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति एवं 12 सेक्टर-कृषि एवं सम्बद्ध, पशुधन सरक्षण, औद्योगिक विकास आई0टी0 एवं इमर्जिंग प्रौद्योगिक, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए तैयार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट के निर्माण की दिशा में समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 प्रारभ किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनमानस में जागरूकता उत्पन्न करना तथा नागरिकों की आकांक्षाओं को संज्ञान में लेते हुये प्रदेश के नागरिकों को राज्य के विकास में सहयोगी व सहभागी बनाते हुये गर्व की भावना को विकसित करना है। उन्होंने विजय डॉक्यूमेंट 2047 हेतु जनभागीदारी से ही इसका निर्माण होगा। इसलिए उन्होंने जनपदवासियों से अपील किया कि दिये गये क्यूआर कोड या समर्थ उत्तर प्रदेश नामक पोर्टल पर प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सुझाव दे। शासन द्वारा नामित प्रबुद्धजन सर्वज्ञराम मिश्र सेवानिवृत्त आईएएस द्वारा समर्थ उत्तर प्रदेश, समृद्ध उत्तर प्रदेश, सशक्त उत्तर प्रदेश, आत्म निर्भर उत्तर प्रदेश हेतु तीन प्रमुख थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति तथा जीवन शक्ति का समुचित प्रयोग कर हम अपने प्रदेश के विकास में कृषकों के साथ समन्वय बनाकर कृषि एवं पशुधन संरक्षण पर बल देने का जोर दिया। उन्होंने बताया कि अर्थ व्यवस्था के विकास में उत्तर प्रदेश ट्रिलियन डॉलर के साथ अग्रसर है। उत्तर प्रदेश ग्रोथ इंजन के रूप में कार्य कर रहा है। 04 अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ उत्तर प्रदेश में 16 एयरपोर्ट वायु परिवहन को गति प्रदान कर रहे है। गंगा एक्सप्रेसवे से सीता समाहित स्थल को जोड़ने की आवश्यकता है। वाराणसी व प्रयागराज के मध्य स्थित भदोही को सेटेलाईट सिटी के रूप में विकसित करने पर बल दिया।

चर्तुभुजीनाथ सेवानिवृत्त आईएफएस द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार हर हाथ में हो काम के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश को बनाने की दिशा में मछली पालन, मशरूम, फल, उद्यान आदि वाणिज्यिक खेती व नगदी फसलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। युवाओं को कौशल विकास, रोजगारपरक, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, मोबाइल, एसी रिपेयरिंग आदि रोजगार शिक्षा पर जोर दिया। मछली कोल्ड स्टोरेज व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गॉरमेंट उद्यम में आपार सम्भावनाओं को रेखांकित किया।

प्रोफेसर डॉ0 उमेश चन्द्रा आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या ने उ0प्र0 के विकास में कृषि एवं संबंध सेक्टर, पशुधन संरक्षण सेन्टर पर विशद बल देते हुए नमो ड्रोन दीदी योजना की उपयोगिता फूलों की खेती, पाली हाउस की व्यवस्था, उद्यान विभाग द्वारा फूलों व सब्जियों की खेती से अधिक धनाजन पर बल दिया। उन्होंने बताया कि आर्गनिक खेती से उत्पादित उपजों की विदेशों में बड़ी मॉग है। उन्होंने समूह खेती करते हुए शहद उद्योग पर बल दिया। बताया कि बाबतपुर एयरपोर्ट पर उत्पादों के लिए क्वॅारेटिंग कक्ष के निर्माण हो जाने से सब्जियों के निर्यात में संबर्धन हुआ है। कृषि शिक्षा, उद्यान्न विभाग, चीनी उद्योग एवं गन्ना उद्योग, सिंचाई एवं जल संसाधन, पशुपालन एवं डेयरी विकास, मत्स्य विभाग का प्रदेश की प्रगति में योगदान को स्पष्ट किया।

नामित नोडल अधिकारी प्रकाश बिन्दु आईएएस सचिव लोक निर्माण विभाग द्वारा बताया गया कि हम सभी मिलकर उत्तर प्रदेश को न केवल भारत का सबसे सशक्त और राज्य बनायेगें, बल्कि दुनिया के सामने विकास संस्कृति व मानवीय मूल्यों का आदर्श भी पेश करेंगे। आज उत्तर प्रदेश को सुशासन से गुड गवर्नेस के रूप में जाना जा रहा है। अब यूपी की पहचान बेहतर कानून व्यवस्था शान्ति और स्थिरता के लिए है। अब यहॉ बेल्थ क्रेयटर्स के लिए नित्य नये अवसर बन रहे है। उपर्युक्त चारों नामित प्रबुद्धजनों द्वारा जनपद के प्रत्येक परिवार से सुझाव देने का आग्रह किया गया। हर परिवार क्यूआर कोड या समर्थ उत्तर प्रदेश विशेष पोर्टल से ऑनलाईन सुझाव सीधे सरकार तक दे। चयनित सुझावों को जनपद प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत किया जायेगा।

कृषकों व महिला समूहों में से कृषक श्यामधर सिंह, त्रिसागर एफपीओ संचालक, शासवत पाण्डेय, वैदिक एफपीओ संचालक, कृषक हृदयदोष, पूर्वांचल कृषक संगठन अध्यक्ष अरूणेन्द्र चैबे, कृषि सखी दामिनी मिश्रा आदि ने विकसित उत्तर प्रदेश 2047 में अपने नवाचार विचारों का रंग भरा।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह, सीएमओ डॉ0 संतोष कुमार चक, डीएफओ विवक यादव, उप निदेशक कृषि डॉ0 अश्वनी सिंह, जिला कृषि अधिकारी ईरम, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, बीएसए विकास चैधरी, उपायुक्त उद्योग आशुतोष सहाय पाठक, उपायुक्त मनरेगा राजाराम, डीईएसटीओ शशिकान्त, डीआईओ डॉ0 पंकज कुमार, केबीके बेजवा के विशेषज्ञगण सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के काशी दौरे से पहले सियासी हड़कंप!

अजय राय लखनऊ में नजरबंद कई कांग्रेस नेता भी हाउस अरेस्ट

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश की सियासत उस समय गरमा गई जब रायबरेली में राहुल गांधी के दौरे के दौरान बीजेपी ने विरोध किया। इसके जवाब में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे का विरोध करने का ऐलान किया।

कांग्रेस की ओर से विरोध की घोषणा होते ही पुलिस हरकत में आ गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को लखनऊ में उनके घर पर नजरबंद कर दिया गया। वाराणसी, सोनभद्र समेत कई जिलों में कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया। पुलिस ने लखनऊ से वाराणसी जाने वाले सभी टोल प्लाजा पर हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

अजय राय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करके नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा कि पुलिस भेजकर हमें रोकना, कार्यकर्ताओं की आवाज दबाना - इससे लड़ाई रुकेगी नहीं। कांग्रेस का हर बब्बर शेर गांव-गांव में जाकर बोलेगा - 'मोदी, वोट चोरी बंद करो!' कांग्रेस लगातार केंद्र और राज्य सरकार पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाती रही है।

वाराणसी में जब कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध के लिए निकले तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। सोनभद्र में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामराज गोंड़ और कई अन्य नेताओं को घर में नजरबंद कर दिया गया। वरिष्ठ नेता जगदीश मिश्रा और शत्रुंजय मिश्रा भी हाउस अरेस्ट में हैं। शहर में जगह-जगह बैरिकेड्स लगाए गए हैं और सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है।

यह पूरा मामला रायबरेली में राहुल गांधी के दौरे से शुरू हुआ। उस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके जवाब में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के वाराणसी दौरे पर विरोध की योजना बनाई थी।लेकिन पुलिस ने विरोध से पहले ही कांग्रेस नेताओं को रोक दिया।

अजय राय ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह विरोध की आवाज को दबा रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार हर तरह के हथकंडे अपनाकर विपक्ष को डराना चाहती है, लेकिन कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी। हम जनता के मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरेंगे। कांग्रेस ने केंद्र और राज्य सरकार पर वोट चोरी, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। वहीं इस मामले में पुलिस का कहना है कि यह सारी कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई है। लखनऊ पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। किसी तरह की गड़बड़ी ना हो, इसलिए एहतियातन कार्रवाई की गई है।

बीबीएयू की छात्रा को दोस्त ने किया ब्लैकमेल

परिवार को भेजे अश्लील फोटो और वीडियो, थाने के चक्कर काट रही पीड़िता

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के लखनऊ से एक शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक युवक ने बीबीएयू की छात्रा को ब्लैकमेल किया। उसके अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे अपने रूम पर बुलाया। लेकिन, लड़की ने उसकी बात नहीं मानी जिसके बाद आरोपी ने उसके परिवार को फोटो भेज दिए। साथ ही लोगों को फोटो और वीडियो भेजकर उसे बदनाम कर रहा है।

बता दें कि ये मामला आशियाना थाना क्षेत्र का है। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी से एमए कर रही एक छात्रा के साथ ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। छात्रा ने थाने में पहुंचकर तहरीर दी है कि उसकी दोस्ती भद्रतनु नाईक नाम के लड़के से थी। उसने बताया कि पहले उसे ये जानकारी नहीं थी कि वो लड़का नशे का आदि है, लेकिन जब उसे जानकारी हुई तो उसने

उससे दूरी बना ली। इसके बाद आरोपी उसे ब्लैकमेल करने लगा।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे फोन और मैसेज कर उसके प्राइवेट फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देता था। वो उसे धमकी देकर रूम में आने की बात करता था। छात्रा ने उसकी इस बात पर ध्यान नहीं दिया। जिसके बाद आरोपी भद्रतनु ने कुछ अश्लील फोटो छात्रा के परिजनों को भेज दी। सारी फोटो अपने दोस्तों के बीच शेयर करके बदनाम कर रहा है। छह महीने से उसकी ब्लैकमेलिंग झेलने के बाद छात्रा ने हिम्मत करके आशियाना थाने में 28 मई को लिखित शिकायत की।

छात्रा आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने के लिए दो दिन तक थाने के चक्कर काटती रही। लेकिन, फिर भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ और न ही आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई। इससे उसका हौंसला और बढ़ गया। उसने छात्रा के बैग से मोबाइल निकालकर उसमें से सारे सबूत डिलीट कर दिए। इसके बाद परिवार को और फोटो भेजने लगा। जिससे परेशान होकर छात्रा फिर 23 जुलाई 2025 को थाने पहुंचकर शिकायती पत्र दिया।पुलिस ने तहरीर लेकर रख ली, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। कॉलेज प्रशासन से भी शिकायत की, लेकिन उल्टा छात्रा को करियर और परिवार की इज्जत का हवाला देकर समझा दिया गया। इसके बाद छात्रा ने उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई।

छोटे भाई की पत्नी पर आया बीएसएफ का जवान का दिल

मोबाइल पर भेजता था गंदे मैसेज

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के फिरोजाबाद से एक रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां पर बीएसएफ में तैनात एक युवक पर उसके छोटे भाई की पत्नी से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है। आरोप है कि उसने अपने भाई की पत्नी के साथ अबैध संबंध बनाने की कोशिश की और उस पर दबाव बनाया। पीड़ित ने आरोपी भाई के खिलाफ थाने में तहरीर देकर केस दर्ज कराया है।

यह मामला शिकोहाबाद का है। दरअसल, थाना खैरगढ़ क्षेत्र के एक गांव में रहने वाला युवक पत्नी संग लगभग 8 महीने पहले शिकोहाबाद आ गया था। शिकोहाबाद के एक गांव में युवक का बड़ा भाई रहता है। वह बीएसएफ में तैनात है। पीड़ित युवक का आरोप है कि जब वह अपनी पत्नी के साथ गांव में बड़े भाई के साथ रहने लगा, तो छुट्टी से लौटने के बाद उसके भाई की नीयत बदल गई। उसका भाई उसकी पत्नी पर गलत निगाह रखने लगा और अवैध संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने लगा। वह आए दिन उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा।

आरोपी अपने भाई की पत्नी के साथ संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। वो उसके मोबाइल पर अश्लील मैसेज करता और उससे बात करने की कोशिश करता था। परेशान होकर महिला ने इस बात की जानकारी अपने पति को दी। जब छोटे भाई ने इस बारे अपने आरोपी भाई से बात की तो उसने अपने छोटे भाई को गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी है। उसकी इन हरकतों से तंग आकर पीड़ित वापस खैरगढ़ अपने गांव लौट गया और आरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

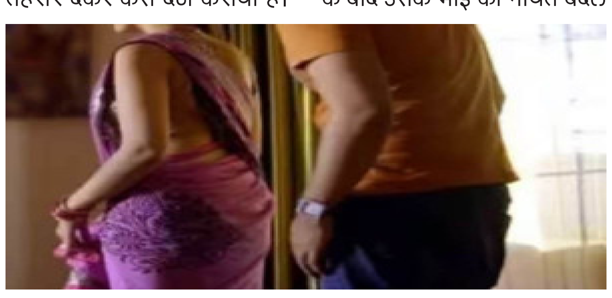

भारत आतंक के वैश्विक अभिशाप को मिटाने के लिए प्रतिबद्ध : सीएम योगी

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 11 सितंबर 2001 मानवता के इतिहास का वह काला अध्याय, जब निर्दोष जीवन कायरतापूर्ण आतंकी हमले की भेंट चढ़ गए। योगी ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले की बरसी पर कहा कि भारत आतंक के वैश्विक अभिशाप को मिटाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी ने आज सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि यह हमला पूरी मानव सभ्यता की शांति, विश्वास और मानवीय मूल्यों पर निर्मम प्रहार था। योगी ने कहा कि उस भीषण त्रासदी में काल-कवलित सभी दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि भारत आतंक के इस वैश्विक अभिशाप को जड़ से मिटाकर ऐसा संसार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां भय नहीं, केवल शांति, भाईचारा और मानवता का प्रकाश हो। गौरतलब है कि 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के नॉर्थ टावर और पेंटागन पर हुए आतंकी हमलों ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था। इस हमले में काफी लोग मारे गए थे। इन हमलों के पीछे ओसामा बिन लादेन और उसका आतंकी संगठन अल-कायदा था। 2011 में जब अमेरिकी कमांडो ने उसे एबटाबाद में मार गिराया, तो दुनिया ने राहत की सांस ली।

भाजपा नेताओं पर लाठीचार्ज! थाने के अंदर कर रहे थे प्रदर्शन

लाइट बंद कर पुलिस ने जमकर पीटा; एक की मौत

लखनऊ (**एजेंसी**)। प्रदेश के गाजीपुर में एक पुलिस थाने के अंदर प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं की पिटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि भाजपा नेताओं के प्रदर्शन पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। पुलिस ने थाने में लाइट बंद कर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को खूब पीटा है। इस मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इस मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यह पूरा मामला नोनहरा थाना क्षेत्र का है। यहां के गठिया गांव के दो पक्षों ओंकार राय और अरविंद राय के बीच बिजली के पोल गाड़ने को लेकर विवाद हो गया था। ओंकार राय अपने ट्यूबवेल पर बिजली लाइन लगाने के लिए पोल अरविंद राय के खेत से ले जाना चाहते थे, लेकिन अरविंद राय ने इसका कड़ा विरोध किया। इसी मामले को लेकर अरविंद राय के हक में शेरपुर गांव निवासी भाजपा नेता राजेश राय बागी 20 समर्थकों के साथ नोनहरा थाने पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस से बातचीत की मांग की। जब पुलिस ने बातचीत करने से मना कर दिया तो वो लोग थाने के बाहर बैठ गए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने लगे।

आरोप है कि पुलिस ने लाइट बंद कर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया। इस मारपीट में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। एक की मौत हो गई। मृतक सीताराम के उपाध्याय थे। उनकी मौत के बाद इलाके में तनाव फैल गया है, भाजपा कार्यकर्ता पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर करते हुए मुआवजे की मांग कर रहे हैं। पूरा क्षेत्र छावनी बना हुआ है, भारी संख्या में पुलिस तैनात है।

विपक्ष की हार तय, गाली देने से कुछ नहीं होगा पीयूष गोयल बोले- बिहार की जनता समझदार है

पटना (**एजेंसी**)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वे पूरी तरह से विफल हो चुके हैं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी या राजद नेता तेजस्वी चाहे जितना भी बोलें या गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोयल ने कहा कि विपक्ष हमें हराने का बहाना ढूंढ रहा है। मैं राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की माँ को गाली देने की कड़ी निंदा करता हूँ। मैं राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से कहना चाहता हूँ कि चाहे आप कितना भी बोलें या गाली दें, बिहार की जनता गुमराह नहीं होगी; बिहार की जनता समझदार है।

यह विवाद एक वायरल वीडियो के बाद शुरू हुआ, जिसमें राहुल गांधी की बिहार में 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में एक रैली में प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत माँ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी दिखाई गई थी। दरभंगा पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जाँच जारी है। गोयल ने आगे कहा कि नीतीश और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूरे विश्वास के साथ बिहार की सेवा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'एनडीए बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।'

इसके अलावा, पीयूष गोयल ने नए जीएसटी सुधारों की भी सराहना करते हुए कहा कि जैसे-जैसे चीज़ें सस्ती होंगी, माँग बढ़ेगी और इससे व्यापार जगत को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में, केंद्र सरकार ने जीएसटी में बड़ा बदलाव करके लगभग हर रोज़मर्रा की वस्तु को सस्ता करने का काम किया है। टूथपेस्ट, तेल, कपड़े, घड़ियाँ, जूते और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्टेशनरी, सब सस्ते हो गए हैं... कई चीज़ें 0इ जीएसटी पर उपलब्ध हैं।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बीमा सुविधाओं में जीएसटी स्लैब हैं। उन्होंने कहा आज घरों में रेफ्रिजरेटर, टीवी और एसी जैसी सभी चीज़ें सस्ती करके इन लोगों के जीवन में एक नया उत्साह, अच्छी चीज़ों के लिए उत्साह लाया गया है। जैसे-जैसे चीज़ें सस्ती होंगी, माँग बढ़ेगी, और व्यापार फलेगा-फूलेगा। गोयल ने आगे कहा कि जीएसटी स्लैब के कारण लोगों के पास रोजगार के अधिक अवसर होंगे, क्योंकि सस्ते उत्पादों की उपलब्धता से उनकी मांग बढ़ेगी, जिससे उद्योग का विस्तार होगा।

फारूक अब्दुल्ला ने मेहराज मलिक की गिरफ्तारी की निंदा की, बोले- अपनी शक्ति का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं एलजी

श्रीनगर (**एजेंसी**)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक की जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तारी की निंदा की और आरोप लगाया कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा अपनी शक्तियों का इस्तेमाल गलत उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं और संविधान की सीमाओं से परे जा रहे हैं। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि अगर संविधान का उचित 'संचालन' नहीं किया गया और उसकी सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया गया तो भारत में भी ऐसी ही स्थिति हो सकती है।

जेकेएनसी प्रमुख ने यहाँ एएनआई से कहा कि नेपाल में हालात कैसे बिगड़ गए? आज स्थिति ऐसी है कि उनका संविधान खत्म हो गया है और वहां कोई सरकार नहीं है। बांग्लादेश की हालत देखिए। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि हमारे देश में ऐसी आग भड़कने से पहले, संविधान का ध्यान रखें और उसकी सीमाओं से आगे न बढ़ें। केंद्र शासित प्रदेश में कानून-व्यवस्था की देखरेख करने वाले उपराज्यपाल की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल को 'नेपाल में जो हो रहा है उससे डरना चाहिए।'

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि दुख की बात यह है कि जम्मू-कश्मीर एक केंद्र शासित प्रदेश है और उपराज्यपाल के पास सारी शक्तियाँ हैं। वह इसका इस्तेमाल गलत उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं। क्या संजय सिंह को बोलने से रोकना ज़रूरी था? यह कोई निरंकुश शासन नहीं है। यहाँ एक संविधान है। उपराज्यपाल को भी संविधान की रक्षा करनी होती है और अगर वह इसकी रक्षा नहीं करते हैं, तो मुझे यह कहते हुए दुःख हो रहा है कि उन्हें नेपाल में जो हो रहा है उससे डरना चाहिए।'

इससे पहले आज, आप सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस उन्हें पार्टी के साथी नेता मेहराज मलिक की गिरफ़्तारी के विरोध में सरकारी गेस्ट हाउस से बाहर नहीं निकलने दे रही है। एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए, संजय सिंह ने पुलिस कार्रवाई को तानाशाही बताया। उन्होंने लिखा कि तानाशाही अपने चरम पर है। मैं इस समय श्रीनगर में हूँ। लोकतंत्र में अधिकारों के लिए आवाज़ उठाना और विरोध प्रदर्शन करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। सिंह ने आगे बताया कि आप नेता श्रीनगर में एक विरोध प्रदर्शन और प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले थे।

'आपका विधायक नाच रहा है!' बाढ़ में डूबे राघोपुर को लेकर तेज प्रताप ने तेजस्वी पर कसा तंज

पटना (**एजेंसी**)। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, बिहार के पूर्व पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने गुरुवार को राज्य के वैशाली जिले के कई इलाकों में बाढ़ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली डबल इंजन वाली सरकार सहायता प्रदान करने में विफल रही। निष्कासित राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता ने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव, जो बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं, पर भी कटाक्ष किया, जब उन्होंने स्थिति का जायजा लेने के लिए उनके निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया।

हाल ही में जनशक्ति जनता दल बनाने वाले यादव नें पर पोस्ट किया कि वैशाली ज़िले के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के विदुपुर प्रखंड की कई पंचायतें बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित हैं। इस विधानसभा क्षेत्र की ज़्यादातर पंचायतें और गाँव बाढ़ में डूबे हुए हैं, लेकिन न तो भाजपा-नीतीश सरकार और न ही इस क्षेत्र के सांसद और विधायक की ओर से किसी तरह की कोई मदद दी जा रही है। उन्होंने आगे कहा किजब राघोपुर क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने मुझे अपनी समस्याओं से अवगत कराया, तो मैं खुद को रोक नहीं पाया और बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्हें राहत सामग्री और चिकित्सा सहायता प्रदान की।

वहीं, एक और वीडिया वायरल हो रहा है। इस वीडियो में तेज प्रताप कहते सुनाई दे रहे हैं कि आप शांत रहिए कैसे बांटना है हम बांट रहे हैं न. सरकार आपकी मदद नहीं कर रहा है, लेकिन मैं बांट रहा हूं. सरकार आपका फेल है और विधायक भी आपका फेल है नांच रहा है गा रहा है। बिहार सरकार की अक्षमता की आलोचना करते हुए, तेज प्रताप यादव ने सुझाव दिया कि नेता क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों से मिलने आएँ। उन्होंने आगे कहा, 'सरकार और नेता बाढ़ प्रभावित बिहार के लोगों से मिल भी नहीं पा रहे हैं, राहत सामग्री और अन्य चिकित्सा सहायता तो दूर की बात है। इस बार हमें ऐसी अक्षम सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। तभी बिहार से पलायन और बाढ़ जैसी आपदाओं को रोका जा सकेगा।'

काशी में पीएम मोदी का ऐतिहासिक रोड शो मॉरीशस पीएम संग पहली औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता

वाराणसी (**एजेंसी**)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने लोकसभा क्षेत्र उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक रोड शो किया। वाराणसी पहुँचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने शहर में पुलिस लाइन से होटल ताज तक रोड शो किया। आज, प्रधानमंत्री मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम की मेज़बानी करेंगे, जो 9 से 16 सितंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए बृहस्पतिवार को वाराणसी पहुंचें। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। हवाई अड्डे से होटल ताजमहल के रास्ते पर सड़क किनारे खड़े लोगों ने प्रधानमंत्री के काफिले पर फूल बरसायें। कई महिला कार्यकर्ताओं को "प्रधानमंत्री जिंदाबाद" के नारे लगाते भी देखा गया।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में वाराणसी की सड़कों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पोस्टर लगाए। इससे पूर्व एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी और डॉ. रामगुलाम द्विपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और दक्षता विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि दोनों नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा करेंगे।

डॉ. रामगुलाम बुधवार को वाराणसी पहुंचे, जहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने उनका स्वागत किया। वाराणसी का यह दौरा मॉरीशस के प्रधानमंत्री की नौ से 16 सितंबर तक की भारत यात्रा का हिस्सा है। कार्यक्रम के अनुसार, रामगुलाम बृहस्पतिवार शाम को गंगा आरती में भाग लेंगे और शुक्रवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे। गणमान्य अतिथि का भव्य स्वागत किया गया।

आम जनता और भाजपा कार्यकर्ता हवाई अड्डे से होटल ताज तक पूरे मार्ग पर स्वागत के लिए खड़े रहे। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने संवाददाताओं से कहा, "द्विपक्षीय बैठक के बाद, मॉरीशस का प्रतिनिधिमंडल गंगा आरती में भाग लेगा और काशी विश्वनाथ मंदिर जाएगा। दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों पर आधारित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा।" भाजपा के स्थानीय मीडिया प्रभारी अरविंद मिश्रा ने कहा कि काशी में प्रधानमंत्री मोदी की किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ यह पहली औपचारिक द्विपक्षीय बैठक होगी। उन्होंने कहा, "ऐसे समय में जब भारत के आस-पास के देशों में राजनीतिक उथल-पुथल है, भारत अपने पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।"

मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत शिंजो आबे की मेजबानी की थी, लेकिन यह पहली बार है जब काशी में किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ औपचारिक वार्ता हो रही है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत में वाराणसी शहर को बड़े-बड़े होर्डिंग्स और बैनरों से सजाया गया है। भाजपा ने वाराणसी सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी बैनर लगाए हैं, जिनमें दूध और डेयरी उत्पादों पर जीएसटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया गया है।

वाराणसी में भाजपा नेता एवं विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश की तस्वीर वाले एक होर्डिंग पर लिखा था, "दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी कम करने के लिए यदुवंश समुदाय की ओर से मोदी जी का धन्यवाद।" पुलिस के अनुसार, इस प्रतिष्ठित नगरी में आज की स्थिति को देखते हुए तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यह शहर पहले भी जी-20 बैठकों और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत शिंजो आबे, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जैसे गणमान्य अतिथियों की मेजबानी कर चुका है।

विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का पूजा रानी पहुंची सेमीफाइनल में

लिवरपूल **(एजेंसी)**। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया।

पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में किशोरी कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए।

इस बीच भारत के पुरुष मुक्केबाजों के अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हार गए। उनके बाहर होने के बाद पुरुष वर्ग में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा। इस तरह से भारतीय पुरुष मुक्केबाजों का ताशकंद में खेली गई पिछली विश्व चैंपियनशिप की तुलना में यहां प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

पिछली प्रतियोगिता में दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं की पिछली प्रतियोगिता नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी जिसमें नीतू घंघास (48 किग्रा), निकहत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते थे।

पूजा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले राउंड में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने पलटवार करते हुए यह राउंड 3-2 से जीत लिया। एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता पूजा ने दूसरे राउंड में अच्छी वापसी करके बड़ी बढ़त हासिल की। तीसरे राउंड तक दोनों मुक्केबाज थक चुकी थीं, लेकिन पूजा ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में अपने नाम पर पदक पक्का किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज एमिली एस्क्विथ से होगा।

अर्शदीप को चोट लगी है या आठ बल्लेबाजों वाली रणनीति के कारण अंतिम एकादश से हैं बाहर

दुबई **(एजेंसी)**। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ठीक 223 दिन पहले 31 जनवरी 2025 को खेला था और भारतीय टीम ने एशिया कप के पहले मैच के लिए एकत्रित होने से पहले मुंबई में बस एक और मैच खेला था। अर्शदीप 63 मैच में 99 विकेट चटकाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले भारतीय बनने के बहुत करीब हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि उन्हें बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मैच के लिए अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। उन्होंने इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के दौरान भी बेंच पर ही समय बिताया (चौथे टेस्ट को छोड़कर जिसमें वह उंगली की चोट के कारण बाहर हो गए थे)। एशिया कप से पहले वह सिर्फ उत्तर क्षेत्र के दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में मध्य क्षेत्र के खिलाफ खेले थे जहां वे इतने ज्यादा प्रभावशाली नहीं दिखे थे। यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि अर्शदीप के भारत की अंतिम एकादश में जगह बनाने में क्या रुकावट आ रही है। क्या यह कोई छोटी चोट है? या टीम प्रबंधन का आठवें नंबर तक बल्लेबाजी बढ़ाने और तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर को खिलाने का आजमाया हुआ फॉर्मूला?

उम्मीद थी कि अर्शदीप एशिया कप के पहले मैच में यूएई के खिलाफ एक स्वाभाविक विकल्प होंगे, लेकिन सभी को हैरान करते हुए तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दिया गया। टीम प्रबंधन ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि अर्शदीप को कोई परेशानी थी या नहीं, लेकिन अगर ऐसा होता तो अब तक किसी और को टीम में शामिल कर लिया गया होता।

अर्शदीप ने यूएई के खिलाफ पहले मैच की पूर्व संध्या पर आईसीसी अकादमी में भारतीय नेट सत्र के दौरान 'स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच' एड्रियन ले रॉक्स के साथ काफी समय बिताया। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या और कुलदीप यादव तीनों को शुरुआती मैच में गेंदबाजी करनी थी लेकिन वैकल्पिक सत्र में उन्होंने आराम करने का फैसला किया जबकि अर्शदीप, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल इसमें शामिल थे। लेकिन अर्शदीप ने गेंदबाजी करने के बजाय अपनी बल्लेबाजी को थोड़ा निखारने का फैसला किया।

उन्होंने ले रॉक्स और गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल की देखरेख में फिटनेस अभ्यास किया। उन्होंने करीब एक घंटे तक 'स्प्रिंट' और 'स्ट्राइड्स' किए और कई बार ऐसा लगा जैसे वह खेलने के लिए तैयारी में फिटनेस अभ्यास कर रहे हों। अगर यह पूरी तरह से फिटनेस से जुड़ा मामला होता तो फिजियो कमलेश जैन भी सत्र की निगरानी करते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'अर्श ऊर्जा से भरपूर हैं। वह लगातार ट्रेनिंग करने के शौकीन हैं।

शेयर बाजार में तेजी जारी; सेंसेक्स 124 अंक चढ़ा, निफ्टी 25, 000 अंक के पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को तेजी बनी रही और बीएसई सेंसेक्स 124 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 25, 000 अंक के ऊपर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू शेयर बाजार लाभ में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसक्स में लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 123.58 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81, 548.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 217.07 अंक तक चढ़ गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और यह 32.40 अंक यानी 0.13 प्रतिशत बढ़कर लगभग तीन सप्ताह के उच्चतम स्तर 25, 005.50 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटर्नल और सन फार्मा प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में इन्फोसिस, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''निफ्टी 50 सूचकांक 25, 000 अंक की महत्वपूर्ण सीमा से ऊपर बंद हुआ है। अमेरिका द्वारा भारत पर अप्रत्याशित रूप से 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने से मुख्य सूचकांक एक समय 24, 400 अंक तक गिर गया था।'' नायर ने कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने के अमेरिका के सकारात्मक संकेतों से सूचकांक एक नए दायरे में चढ़ा। बाजार इसकी काफी उम्मीद कर रहा था।

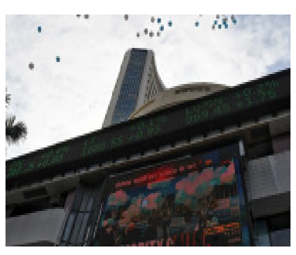

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट सकारात्मक दायरे रहे, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था।

बुधवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 115.69 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले दिन 5, 004.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत टूटकर 67.28 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

रजत पाटीदार ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में लपका शानदार कैच, देखने वाले रह गए हैरान, वीडियो

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सेंट्रल जोन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे दलीप ट्रॉफी 2025 फाइनल के दौरान शानदार कैच लपककर सभी को हैरान कर दिया। पाटीदार ने अपनी सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए सिली पॉइंट फील्डर के हाथ से गेंद के टकराने के बाद डाइव लगाकर शानदार कैच लपका। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

यह आउट पारी के 49वें ओवर में हुआ जब सारांश जैन गेंदबाजी कर रहे थे। दक्षिण क्षेत्र के बाएं हाथ के बल्लेबाज सलमान नजीर ने बचाव के लिए अपना बल्ला आगे बढ़ाया, तभी गेंद उनके दस्तानों से टकराकर ऊपर की ओर उछल गई। हालांकि सिली पॉइंट फील्डर गेंद को पकड़ नहीं पाया, लेकिन पाटीदार ने मौके का फायदा उठाते हुए गेंद को जमीन पर गिरने से ठीक पहले लपक लिया।

टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करने वाले सेंट्रल जोन ने विपक्षी टीम को केवल 63 ओवरों में 149 रनों पर आउट करके अपने फैसले को सही साबित किया। कुमार कार्तिकेय ने चार विकेट लिए, जबकि सारांश ने 5 विकेट लिए। तन्मय अग्रवाल ने दक्षिण क्षेत्र के लिए 76 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 31 रनों की पारी खेलकर शीर्ष स्कोरर रहे।

कुलदीप यादव अब शायद अगला मैच न खेलें मांजरेकर ने इशारों में गौतम गंभीर की आलोचना की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कुलदीप यादव ने दुबई में भारत के लिए एशिया कप अभियान की शानदार शुरुआत की और यूएई के खिलाफ केवल 4.3 ओवर में 57 रनों पर ढेर करके रिकॉर्ड तोड़ जीत में मदद की। शुरुआत से ही भारतीय टीम का दबदबा रहा, क्योंकि जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन यॉर्कर ने शुरुआत की - लेकिन कुलदीप द्वारा फेंके गए 9वें ओवर में बाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने तीन विकेट लिए, यूएई के बल्लेबाजों को धूल चटाई और 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता।

इंग्लैंड में भारत के सभी 5 टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठने के बाद टीम में वापसी करने वाले इस खिलाड़ी ने तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से अपना हुनर दिखाने के लिए बेताब था। कुलदीप के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भी दी, उन्हें अक्सर टीम में अंदर-बाहर होते देखा गया है, और संजय मांजरेकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जाहिर कर दिया कि कुलदीप की भागीदारी और समावेशन को जिस तरह से संभाला गया है, उससे वे पूरी तरह सहमत नहीं हैं।

मांजरेकर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखते हुए कहा, 'कुलदीप ने एक ओवर में 3 विकेट लिए। अब शायद अगला मैच न खेलें।' उन्होंने एक मजाकिया इमोजी भी लगाई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी टिप्पणी को सही अर्थ में लिया जाए। कुलदीप टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, दोनों में भारत की जीत का अहम हिस्सा रहे थे। कई लोगों का मानना है कि उन्हें टेस्ट सीजन में टीम का हिस्सा होना चाहिए था, खासकर जब गौतम गंभीर को नतीजे हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि इस लेग स्पिनर को एक ऐसे देश में एक विशुद्ध स्पिनर होने का दुर्भाग्य मिला है जहां कई स्पिन गेंदबाज हैं जो बल्ले से भी कमाल दिखा सकते हैं। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें रवींद्र जडेजा और हाल ही में वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी संघर्ष करना पड़ा है।

22 सितंबर से स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हुई शून्य

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 22 सितंबर 2025 से स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी दर को पूरी तरह शून्य कर दिया गया है। यह फैसला 56वें जीएसटी काउंसिल की बैठक में लिया गया। अब बीमा प्रीमियम पर 18इ जीएसटी नहीं लगेगा।अभी तक अगर कोई पॉलिसीधारक ?100 का प्रीमियम भरता था, तो उसे ?118 देना पड़ता था। इस कदम का उद्देश्य बीमा को सभी के लिए अधिक सस्ता और किफायती बनाना है।

बीमा कंपनियां पॉलिसी बेचते समय 18इ जीएसटी वसूलती थीं। साथ ही, एजेंट कमीशन, मार्केटिंग और ऑफिस रेंट जैसे खर्चों पर भी जीएसटी अदा करती थीं। जीएसटी नियमों के तहत वे इस टैक्स को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के रूप में ग्राहकों से वसूले गए जीएसटी से घटा सकती थीं।

उदाहरण के तौर पर, यदि हर ?100 प्रीमियम पर कंपनी ?70 का खर्च करती थी, तो उस पर 18इ यानी ?12.6 जीएसटी देना पड़ता था। इसे ग्राहकों से वसूले गए ?18 जीएसटी से एडजस्ट करने के बाद कंपनी को केवल ?5.4 ही सरकार को देना होता था।

जीएसटी हटने के बाद कंपनियों के पास आईटीसी का लाभ भी नहीं रहेगा यानी उन्हें अपने परिचालन खर्चों पर चुकाया गया टैक्स खुद वहन करना होगा। इस अतिरिक्त खर्च का बोझ आंशिक रूप से ग्राहकों पर भी डाला जा सकता है। पूर्व एलआईसी कार्यकारी निदेशक अश्विन गाई का कहना है कि यह अतिरिक्त लोडिंग करीब 3.31इ तक हो सकती है। यानी अगर प्रीमियम ?1, 000 है, तो ग्राहक को ?1, 033.33 तक भुगतान करना पड़ सकता है।

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन का किया खुलासा कहा- गेंदबाजी कोच ने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है

दुबई **(एजेंसी)**। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण शिवम दुबे की गेंदबाजी में भूमिका सीमित हो गई थी लेकिन वह भारतीय टीम के लिए अदद ऑलराउंडर बनना चाहते हैं जिसमें उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मार्गदर्शन मिल रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच में दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लेने वाले दुबे ने एक तेज गेंदबाज के रूप ने अपने खेल में सुधार के संबंध में मोर्कल की भूमिका के बारे में बात की। दुबे ने भारत की 9 विकेट से जीत के बाद कहा, 'जब से मैं इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापस आया हूं, तब से मोर्ने मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है और मैंने उन पर अमल किया है।' इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा। उन्होंने धीमी गेंद करने को लेकर भी मेरे साथ काम किया और मेरे रन-अप में भी थोड़ा बदलाव किया। मुख्य कोच और कप्तान ने मुझे बताया था कि मेरी गेंदबाजी की भूमिका अहम होगी।'

आईपीएल के बाद दुबे को अपने ऑलराउंड खेल और फिटनेस पर काम करने के लिए दो महीने का समय मिला। दुबे का आईपीएल में उनकी फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स पावर-हिटर के रूप में ज्यादा इस्तेमाल करती है। दुबे ने कहा, 'पिछले दो महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मुझे पता है कि बीच के ओवरों में मुझे (एक पावर-हिटर के तौर पर) अपनी भूमिका निभानी है। मैं जानता हूं कि पिछले कुछ वर्षों में गेंदबाजों ने मुझे शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया है और मैंने अपने शॉट्स की रेंज बढ़ाने पर काम किया है।'

इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, विकेट धीमा होता जाएगा और मैं जानता हूं कि तब मेरी धीमी गेंदें प्रभावी होंगी। मैं यह भी जानता हूं कि बीच के ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करनी है।' एक ऑलराउंडर के रूप में दुबे को कई बार हार्दिक पंड्या की चुनौती का सामना करना पड़ता है, लेकिन मुंबई के इस ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि उनके बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हार्दिक मेरे भाई की तरह हैं जिनसे मैं बहुत कुछ सीखता हूं क्योंकि छ्न्न्थ् और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका अनुभव मुझसे कहीं अधिक है। मेरा प्रयास हमेशा उनसे कुछ न कुछ सीख लेना होता है।' दुबे ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले आगामी मैच के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'चाहे मैं यूएई के खिलाफ खेल रहा हूं या पाकिस्तान के खिलाफ, मैं अपने कोच गौती भाई (गंभीर) की बातों पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो आपको देश के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर मिलता है।'

एसीएमई सोलर को एफडीआरई परियोजना के लिए एसबीआई से 3, 892 करोड़ रुपये का वित्तपोषण मिला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एसीएमई वीनस ऊर्जा ने 400 मेगावाट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना के विकास और निर्माण के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से 3, 892 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक परियोजना वित्तपोषण प्राप्त किया है।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि इसका पुनर्भुगतान 19 साल में किया जाएगा। एफडीआरई परियोजना राजस्थान के बाड़मेर में विकसित की जा रही है और एनएचपीसी के साथ 4.64 रुपये प्रति यूनिट की दर पर अनुबंधित है। इस परियोजना में आपूर्ति दायित्वों को पूरा करने और बिजली खरीद समझौते (पीपीए) की शर्तों के अनुसार बेहतर डिस्पैच क्षमता सुनिश्चित करने के लिए सौर और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) स्थापित करना भी शामिल है।

कंपनी के बयान के अनुसार, यह वित्तपोषण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से कंपनी को मिला सबसे बड़ा वित्तपोषण है और साथ ही, एसीएमई की एफडीआरई परियोजनाओं में एसबीआई का पहला वित्तपोषण भी है।

इंतजार खत्म! साल की सबसे बड़ी हिट सैयारा की ओटीटी रिलीज डेट का ऐलान

मोहित सूरी की फिल्म सैयारा जोकि जुलाई के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जिस तरह से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई उसके बाद उस समय कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल नहीं दिखा पाई। फिर चाहे अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 रही हो या फिर करण जौहर निर्मित फिल्म धड़क 2 सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर मुहँ के बल गिर गई। ऍर्ऴैं श्दन्ग का क्रेज दर्शकों के जहन में चढ़ गया था। हर तरफ इस फिल्म के ही चर्चे थे। तो वहीं फिल्म की कास्ट रातो-रात ही सुर्खियों में छा गई और दर्शकों द्वारा उनके एक्टिंग की सराहना की जाने लगी। लंबे समय तक सिनेमाघरों में चलने के बाद अब जाकर सैयारा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। चलिए जानते हैं सैयारा मूवी किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कब रिलीज होगी।

मोहित सूरी की फिल्म सैयारा सिनेमाघरों के बाद नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। जिसकी रिलीज डेट 12 सिंतबर 2025 तय की गई है।

सैयारा मूवी को जिन दर्शकों ने सिनेमाघरों में नहीं देखा है। वो इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। अब देखने लायक होगा कि सैयार मूवी ओटीटी पर रिलीज होने के बाद क्या कोई नया रिकॉर्ड कायम करेगी।

सैयारा मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर जो रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। वो किसी से छिपी नहीं है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर किसी न्यू कमर एक्टर और एक्ट्रेस द्वारा सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पहली फिल्म बन गई है। इससे पहले किसी भी एक्टर की पहली फिल्म इस तरह बॉक्स ऑफिस पर नहीं कलेक्शन की है। सैयारा मूवी के यदि कुल कलेक्शन की बात करे तो फिल्म ने 500 करोड़ रूपए का आकड़ा पार कर लिया है। और ये आज भी दर्शकों द्वारा पसंद की जा रही है। इसके गाने आज भी दर्शकों की पहली पसंद बने हुए हैं। जिस तरह से कृष कपूर को फिल्म में फेम चाहिए था। और वो पॉपुलर हो गए थे। वैसे ही वो रियल लाइफ में भी इस फिल्म के रिलीज के बाद फेमस हो गए हैं।

पीएम ओली के इस्तीफे के बीच मनीषा कोइराला ने दादा को याद कर 'लोकतंत्र' पर दिया बड़ा संदेश

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने नेपाल में प्रदर्शनकारियों पर हुई हिंसक कार्रवाई के खिलाफ आवाज़ उठाई है और इसे देश के लिए 'काला दिन' बताया है। उनकी यह टिप्पणी जनरेशन ज़ेड के प्रदर्शनकारियों द्वारा किए गए भीषण उपद्रव के बाद आई है, जो भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकार के विवादास्पद प्रतिबंध के विरोध में सड़कों पर उतरे थे।

बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने मंगलवार को अपने दादा एवं नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बिश्वेश्वर प्रसाद कोइराला को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया जिन्होंने ''प्रेम, संघर्ष और लचीलेपन को आवाज दी थी।'' कोइराला ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर यह पोस्ट ऐसे समय में साझा की है जब पड़ोसी देश में सरकार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। वेबसीरीज 'हीरामंडी' की अभिनेत्री ने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट में अपने दादा की एक तस्वीर भी साझा की।

उन्होंने पोस्ट में कहा, ''नेपाल के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री और प्रेम, संघर्ष एवं लचीलेपन को स्वर देने वाले लेखक बी.पी. बा को उनके जन्मदिन पर नमन। आज जब छात्र भ्रष्टाचार के खिलाफ और आज़ादी के लिए उठ खड़े हुए हैं तो उनके शब्द कालजयी लगते हैं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''लोकतंत्र अविभाज्य है; यदि आप अपने देश में लोकतंत्र चाहते हैं तो आप इसके लिए सभी संघर्षों की उपेक्षा नहीं कर सकते - बी.पी. कोइराला।''

नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने देश में सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शन के मद्देनजर मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। वहां के युवाओं ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उग्र प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल समेत कई शीर्ष नेताओं के आवासों पर हमला किया और संसद में तोड़फोड़ की। हालांकि नेपाल सरकार ने सोमवार रात सोशल मीडिया वेबसाइट पर लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखा और प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई में 19 लोगों की मौत को लेकर जवाबदेही की मांग की।

'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में अभिनेत्री ने नेपाल में प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने खून से सने एक जूते की तस्वीर साझा करते हुए कहा, ''आज नेपाल के लिए काला दिन है। जब लोगों की आवाज, भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रोश और न्याय की मांग का जवाब गोलियों से दिया जा रहा है।

हिंसा के बाद नेपाल में खुलने लगे एयरपोर्ट, इंडियन एयरलाइंस ने काठमांडू के लिए उड़ानें फिर से की शुरू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और नेपाल के बीच उड़ानें सामान्य हो जाएँगी। भारतीय एयरलाइन्स ने काठमांडू के लिए अपनी नियमित सेवाएँ फिर से शुरू कर दी हैं। यह फैसला नेपाल में अशांति के कारण एक दिन पहले बंद हुए त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बुधवार शाम को फिर से खुलने के बाद आया है। एयर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट सहित कई एयरलाइन्स ने मंगलवार और बुधवार को अपनी सेवाएँ रद्द कर दी थीं। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि एयर इंडिया और इंडिगो काठमांडू में फंसे लोगों को वापस लाने के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेंगी। उन्होंने यह भी ज़ोर देकर कहा कि एयरलाइनों को किराए उचित स्तर पर रखने के लिए कहा गया है। एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि वह यात्रियों की सहायता के लिए आज और कल दिल्ली से काठमांडू के लिए विशेष उड़ानें संचालित कर रही है। एयरलाइन ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमारा निर्धारित परिचालन भी कल से फिर से शुरू हो जाएगा। हम अपने यात्रियों के हित में इसे सुगम बनाने के लिए त्वरित समन्वय के लिए सरकार और अन्य एजेंसियों को धन्यवाद देते हैं।

इंडिगो ने भी काठमांडू के लिए अपनी सेवाएँ फिर से शुरू करने की घोषणा की। नायडू ने एक्स पर पोस्ट किया कि नेपाल में हवाई अड्डे बंद होने के कारण, घर जाने वाले कई यात्री काठमांडू से वापस नहीं लौट पाए। काठमांडू में हवाई अड्डे का संचालन शुरू होने के साथ ही एयर इंडिया और इंडिगो के साथ मिलकर आज शाम और अगले कुछ दिनों में अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था की है, साथ ही कल से शुरू होने वाली निर्धारित सेवाएँ भी शुरू हो जाएँगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार को नेपाल के लिए अपनी सेवाएँ रद्द कर दीं, लेकिन यात्रियों को लचीलेपन का आश्वासन दिया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा 'नेपाल की मौजूदा स्थिति को देखते हुए, हम 17 सितंबर 2025 तक नेपाल जाने या वहाँ से आने के लिए बुकिंग कराने वाले मेहमानों को अपनी यात्रा को भविष्य की किसी भी यात्रा तिथि पर स्वतंत्र रूप से पुनर्निर्धारित करने की सुविधा और लचीलापन प्रदान कर रहे हैं। वैकल्पिक रूप से, जो मेहमान इन तिथियों के लिए अपनी बुकिंग रद्द करना चुनते हैं, उन्हें उनके मूल भुगतान माध्यम या ट्रैवल एजेंट को पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। एयरलाइन ने आगे पुष्टि की कि गुरुवार के बाद उसके परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। स्पाइसजेट ने भी हवाई अड्डा बंद होने के कारण बुधवार को काठमांडू के लिए अपनी सेवाएँ रद्द कर दीं।

डोडा में संदिग्ध धमाके से हड़कंप, पुलिस-एफएसएल जांच में जुटी, आप नेता की गिरफ्तारी से पहले ही था तनाव

श्रीनगर **(एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर के डोडा ज़िले में गुरुवार को एक संदिग्ध विस्फोट हुआ, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोट जमाई मस्जिद के पास डुमरी मोहल्ला में हुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस मौके पर पहुँच गई है और जाँच जारी है। पुलिस ने विस्फोट के सिलसिले में दो लोगों को हिरासत में भी लिया है। आम आदमी पाटीके नेता मेहराज मलिक, जो जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पार्टी के एकमात्र विधायक हैं, की गिरफ्तारी के बाद डोडा ज़िले में तनाव बढ़ गया है। मलिक को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कड़े जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया था।

डोडा ज़िला विकास परिषद के चुनाव में जीत हासिल कर चुके मलिक के खिलाफ़ एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ़ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। डोडा के उपायुक्त हरविंदर सिंह ने द्वारा की गई हर वैध कार्रवाई, चाहे वह डोडा ज़िले में हो या जम्मू में, उन्हें झूठ फैलाने और जनता, खासकर युवाओं को भड़काकर बड़े

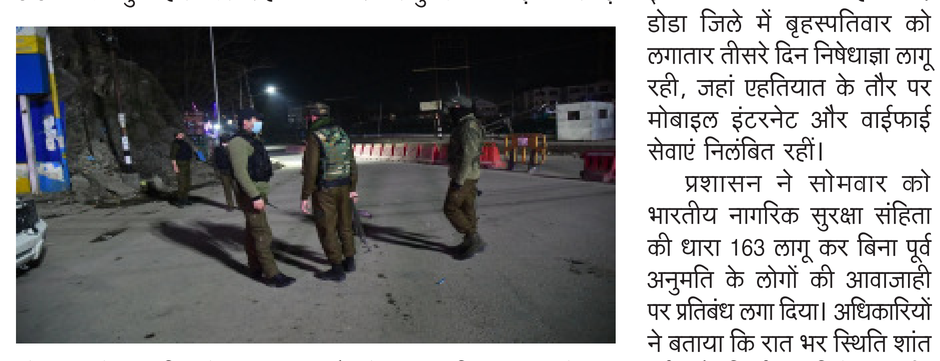

सोमवार को कहा कि नके भड़काऊ भाषणों और 'फेसबुक लाइव' का लगातार दुरुपयोग गलत सूचना फैलाने और जनता को भड़काकर सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कानून आधारित समाज बनाने के उद्देश्य से प्रशासन पैमाने पर शांति भंग करने का 'अवसर' देती है।

वहीं, जम्मू कश्मीर में कड़े जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शनकारियों व सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़पों और 80 से अधिक लोगों को हिरासत में लेने के बाद बृहस्पतिवार को डोडा जिले और आसपास के इलाकों में तनाव व्याप्त हो गया। डोडा जिले में बृहस्पतिवार को लगातार तीसरे दिन निषेधाज्ञा लागू रही, जहां एहतियात के तौर पर मोबाइल इंटरनेट और वाईफाई सेवाएं निलंबित रहीं।

प्रशासन ने सोमवार को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर बिना पूर्व अनुमति के लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया। अधिकारियों ने बताया कि रात भर स्थिति शांत रही और किसी नए विरोध प्रदर्शन की सूचना नहीं मिली। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी सतर्कता बरत रहे हैं। कथित प्रशासनिक मनमानी को लेकर तनाव के बीच डोडा शहर, भद्रवाह, गंडोह और थाथरी के आसपास भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

दशहरा समारोह में बुकर विजेता बानू मुश्ताक को बुलाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका

अदालत ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मैसूर में आगामी दशहरा उत्सव में बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। कर्नाटक उच्च न्यायालय में अब चार जनहित याचिकाएँ (पीआईएल) पहुँच गई हैं। पूर्व भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा ने एक याचिका दायर की है, जबकि तीन अन्य नागरिकों ने अन्य याचिकाएँ दायर की हैं, जिनमें सरकार के आदेश को वापस लेने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि मुश्ताक को मुख्य अतिथि के रूप में नामित करने से हिंदू धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं और वे इस बात पर जोर देते हैं कि महोत्सव का उद्घाटन पूरी तरह से परंपरा के अनुसार किया जाना चाहिए।

उच्च न्यायालय ने गुरुवार को तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि मामले को चार दिनों के भीतर सूचीबद्ध किया जाएगा। याचिकाओं पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की उम्मीद है, हालाँकि राज्य सरकार ने अभी तक इस चुनौती पर कोई टिप्पणी नहीं की है। कर्नाटक के सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजनों में से एक,

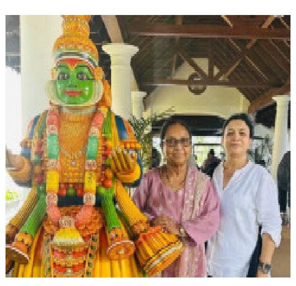

मैसूर दशहरा उत्सव, इस महीने के अंत में शुरू होने वाला है। घोषणा के बाद प्रताप सिम्हा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह परंपरा हमेशा से देवी चामुंडी की भक्ति से जुड़ी रही है। आपने बानू मुश्ताक को दशहरा उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया है और उन्होंने इसे स्वीकार भी कर लिया है। मैं सिर्फ़ इसलिए विरोध नहीं कर रहा क्योंकि वह मुसलमान हैं। हमें उनकी उपलब्धियों पर गर्व है, और उन्होंने साहित्य में बहुत योगदान दिया है। लेकिन क्या बानू मुश्ताक देवी चामुंडी में आस्था रखती हैं? क्या उन्होंने कभी हमारे रीति-रिवाजों का पालन किया है? क्या उन्होंने कभी कहा है कि वह देवी चामुंडेश्वरी की भक्त हैं? फिर उन्हें क्यों आमंत्रित किया गया?

एयर इंडिया की दिल्ली से सिंगापुर फ्लाइट से 200 यात्रियों को नीचे उतारा सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का गुस्सा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सिंगापुर जाने वाले एयर इंडिया के एक विमान में सवार 200 से ज़्यादा यात्रियों को बुधवार शाम दिल्ली हवाई अड्डे पर मुश्किलों का सामना करना पड़ा, क्योंकि उन्हें विमान से उतार दिया गया। यात्रियों को विमान के अंदर लगभग दो घंटे तक बैठाए रखा गया, उसके बाद उन्हें उतार दिया गया। बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान से संचालित होने वाली उड़ान संख्या एआई2380 को रात लगभग 11 बजे दिल्ली हवाई अड्डे से रवाना होना था, लेकिन इसमें देरी हो गई।

विमान में मौजूद एक पत्रकार के अनुसार, विमान का एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बिजली आपूर्ति खराब थी। लगभग दो घंटे विमान में बैठने के बाद सभी यात्रियों को उतारकर टर्मिनल भवन ले जाया गया। उन्होंने बताया कि चालक दल ने 200 से ज़्यादा यात्रियों को विमान से उतारने के फ़ैसले का कोई खास़ कारण नहीं बताया। एयर इंडिया की ओर से कोई बयान नहीं आया। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो क्लिप में यात्री अखबारों और पत्रिकाओं से हवा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं।

भाजपा को दिया हर वोट केरल की पवित्रता खत्म कर देगा, विजयन का बड़ा सियासी वार

कोच्चि **(एजेंसी)**। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राज्य के लोगों से भाजपा का समर्थन करने के निहितार्थों को समझने की अपील की है और कहा है कि 'भाजपा को दिया गया एक-एक वोट' राज्य की पवित्रता को नष्ट कर देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य के प्रतिष्ठित ओणम त्योहार से जुड़ी सांस्कृतिक परंपराओं को बदलने की कोशिश कर रही है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री विजयन ने उन्हें दिखाई गई एक तस्वीर पर चिंता व्यक्त की, जिसमें महाविष्णु, वामन और महाबली को इस तरह से दर्शाया गया है जिससे ओणम की पारंपरिक कथा में बदलाव का आभास होता है, जहाँ महाबली के आगमन का जश्न मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों एर्नाकुलम में एक कार्यक्रम हुआ था जिसमें गृह मंत्री अमित शाह ने शिरकत की थी। पिछले हफ़्ते ओणम का जश्न बहुत धूमधाम से मनाया गया था। वे ओणम को ही बदल देंगे। ओणम के दिन, एक महत्वपूर्ण व्यक्ति मुझसे मिलने आया था। मैं नाम नहीं लूँगा। उसने मुझे अपने फ़ोन पर एक संदेश दिखाया। उसने एक तस्वीर दिखाई जिसमें महाविष्णु थे। महाविष्णु के सामने वामन हैं, और वामन के चरणों में महाबली दिखाई दे रहे हैं। इसका मतलब है कि वे ओणम को बदलना चाहते हैं जिस दौरान महाबली आते हैं।

मुख्यमंत्री विजयन ने लोगों से भाजपा का समर्थन न करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि वे आज हम जो कुछ भी अनुभव करते हैं उसे पुराने ज़माने में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए न केवल राजनेताओं को, बल्कि राज्य के हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि भाजपा को दिया गया हर वोट केरल की पवित्रता को नष्ट कर देगा। केरल में फसल कटाई और राजा महाबली के घर वापसी से जुड़ा त्योहार ओणम विभिन्न अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है।

जिम ट्रेनर मरीज से बनाए शारीरिक संबंध, एनेस्थेटिक दवा देकर महिला डॉक्टर करती थी गंदी हरकतें, लाइसेंस रद्द

ओटावा **(एजेंसी)**। कनाडा में भारतीय मूल की फैमिली फिजिशियन डॉक्टर सुमन खुलबे का मेडिकल करियर उस वक्त संकट में आ गया जब उन पर अपने मरीजों के साथ निजी, व्यावसायिक और यौन संबंध रखने के गंभीर आरोप साबित हो गए। अपने मेडिकल नियमों की मर्यादा तोड़ने वाले इन आरोपों के चलते उन्हें अब मेडिकल प्रैक्टिस से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह फैसला कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स एंड सर्जन्स ऑफ ओंटारियो की जांच और सुनवाई के बाद लिया गया, जिसमें खुलासा हुआ कि डॉक्टर खुलबे ने एक पुरुष मरीज के साथ यौन संबंध बनाए और दो अन्य मरीजों से भी अनुचित स्तर के निजी और कारोबारी रिश्ते बनाए। इस पूरे मामले ने मेडिकल समुदाय और समाज को हैरान कर दिया है।

जांच में सामने आया कि खुलबे ने न सिर्फ मरीजों के साथ निजी मेलजोल बढ़ाया, बल्कि उन्हें दोस्त, जिम पार्टनर, बिजनेस एसोसिएट और सामाजिक आयोजनों का हिस्सा भी बना लिया। एक मरीज के साथ तो उन्होंने कथित तौर पर यौन संबंध बनाए, जिसमें ओरल सेक्स और अन्य यौन क्रियाएं शामिल थीं।

एक जिम ट्रेनर ने आरोप लगाया कि खुलबे ने उसे इलाज के दौरान प्रोकेन (एक एनेस्थेटिक दवा) दिया और उसके नशे में रहने की अवस्था में यौन संबंध बनाए गए। इस ट्रेनर ने यह भी बताया कि शुरू में उसे विटामिन थेरेपी दी जाती थी। ट्रेनर का कहना था कि खुलबे ने 'थेरेपी' के दौरान उसके गुप्तांगों को छुआ और उसे मानसिक रूप से प्रभावित किया। उसने यह भी दावा किया कि इस दौरान वह खुलबे

के प्रभाव में था और उसे पूरी तरह नहीं पता था कि उसके साथ क्या हो रहा है। कोर्ट दस्तावेजों के अनुसार, ट्रेनर का आरोप है कि खुलबे ने उसके प्राइवेट पार्ट पर हाथ रखकर सांस लेने के व्यायाम कराए। इतना ही नहीं यौन कृत्यों में ओरल सेक्स, मैनुअल स्टिमुलेशन शामिल थे, और ये घटनाएं तब हुईं जब उसे प्रोकेन (एक एनेस्थेटिक दवा) दी जाती थी।

खुलबे पर यह भी आरोप है कि उन्होंने अपने क्लिनिक में सामाजिक आयोजन किए जिनमें शराब परोसी गई और प्रोकेन जैसी दवाओं का बिना सही प्रक्रिया के इस्तेमाल किया गया। इन आयोजनों में भी मरीज शामिल होते थे। कॉलेज की समिति ने अपने फैसले में कहा कि डॉक्टर और मरीज के रिश्ते को लेकर संस्था की नीति बहुत स्पष्ट है- चाहे संबंध सहमति से ही क्यों न हो, यह अनैतिक माना जाएगा। डॉक्टर खुलबे ने इन मूलभूत चिकित्सा नियमों की खुलेआम अनदेखी की।

डॉ. सुमन खुलबे ने इन सभी आरोपों को एकतरफा करार देते हुए कहा कि उन्हें न्याय नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि सुनवाई में कई जरूरी तथ्य छुपा लिए गए और उनके खिलाफ माहौल बनाया गया। उन्होंने इसे एक 'विच हंट' (सोची-समझी साजिश) और ब्लैकमेलिंग बताया। उनका कहना है कि जिम ट्रेनर के साथ उनका रिश्ता निजी था और अब उसे गलत ढंग से पेश किया जा रहा है। खुलबे का यह भी कहना है कि वह एक पारंपरिक भारतीय परिवार से आती हैं और उनके मूल्यों को नज़रअंदाज़ किया गया। उन्होंने फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बनाई है।

सुमन खुलबे ने 2001 में फैमिली डॉक्टर के रूप में प्रैक्टिस शुरू की थी और बाद में एक कार्यकारी हेल्थ क्लिनिक स्थापित किया था। उन्होंने समग्र स्वास्थ्य सेवाएं देने की कोशिश की, लेकिन मरीजों से बढ़ते निजी रिश्तों ने उनके पूरे प्रोफेशन को सवालों के घेरे में ला दिया।

जिंदा हैं नेपाल के पूर्व पीएम खनाल की पत्नी

प्रदर्शनकारियों ने बुरी तरह पीटकर घर में लगाई थी आग

काठमांडू **(एजेंसी)**। पूर्व प्रधानमंत्री झलनाथ खनाल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार जीवित हैं। पहले खबर थी कि उनकी मौत हो गई है। देश में मृतक संख्या 30 पहुंच गई है। विरोध प्रदर्शनों में घायलों की संख्या बढ़कर 1, 033 हो गई है। नेपाल के 6-7 कैबिनेट मंत्रियों, कई मेयर, सभासद और जनप्रतिनिधियों ने भारत में रिश्तेदारों के घर शरण ली है। कई मंत्रियों-नेताओं के घरों पर आगजनी और तोड़फोड़ हुई हैं। आंदोलनकारी इन्हें तलाश रहे हैं। गौरतलब है कि नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनल के घर में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने जब पूर्व पीएम के घर में आग लगाई तो खनल की पत्नी, राज्यलक्ष्मी चित्रकार, अंदर मौजूद थीं। उन्हें गंभीर रूप से जलने के बाद कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया। केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा देश में व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और 22 अन्य सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, नेपाल में जेन जेड के बैनर तले युवाओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। जब विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए और 19 लोगों की मौत हो गई, तो सरकार ने सोमवार देर रात प्रतिबंध हटा लिया। सरकार की ओर से कर्फ्यू घोषित किए जाने के बाद भी हजारों की संख्या में युवा सड़कों पर डटे हुए हैं और तमाम मंत्रियों के आवासों को फूंक डाला है। इन युवाओं ने पीएम और राष्ट्रपति के निजी आवासों को कब्जे में ले लिया है और आग लगा दी है। नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय को भी फूंका गया है। इसके अलावा अभी-अभी संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट को भी इन उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया।

ब्रिटेन ने अमेरिका एम्बेसडर मैंडेलसन को किया बर्खास्त जेफ़री की 'बर्थडे बुक' पर लिखा नोट बना कारण

लंदन **(एजेंसी)**। ब्रिटेन ने अमेरिका में अपने राजदूत पीटर मैंडेलसन को गुरुवार को उनके विवादित रिश्तों के कारण पद से बर्खास्त कर दिया। मैंडेलसन का नाम कुख्यात यौन अपराधी जेफ़री एप्स्टीन से जुड़ने के बाद प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार पर और दबाव बढ़ गया था।अमेरिकी सांसदों ने हाल ही में एप्स्टीन का एक तथाकथित 'बर्थडे बुक' जारी किया, जिसमें मैंडेलसन ने हाथ से लिखा नोट छोड़ा था। उसमें उन्होंने एप्स्टीन को 'माय बेस्ट पाल' यानी सबसे अच्छा दोस्त बताया था।

ब्लूमबर्ग ने बुधवार को मैंडेलसन और एप्स्टीन के बीच कई ईमेल उजागर किए। इनमें मैंडेलसन ने एप्स्टीन का समर्थन किया था और यहां तक कि 2008 के फ्लोरिडा केस पर अपने राजनीतिक संपर्कों से बात करने की पेशकश भी की थी। एक ईमेल में मैंडेलसन ने लिखा-'मैं तुम्हारे बारे में बहुत अच्छा सोचता हूं और जो हुआ है उस पर बेबस और गुस्से में हूं।' उन्होंने एप्स्टीन को 'आर्ट ऑफ वॉर' की रणनीति अपनाने की सलाह भी दी थी।

ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के मंत्री स्टीफन डौटी ने संसद में घोषणा करते हुए कहा कि ईमेल से यह साफ हो गया है कि मैंडेलसन और एप्स्टीन का रिश्ता 'पहले बताए गए स्तर से कहीं ज्यादा गहरा' था। हालांकि प्रधानमंत्री कीयर स्टारमर ने बुधवार तक मैंडेलसन का बचाव करते हुए कहा था कि उन्हें उन पर 'पूरा भरोसा' है, लेकिन नए खुलासों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दीं। विपक्ष ने सवाल उठाया कि जब मैंडेलसन की एप्स्टीन से दोस्ती पहले से जानी जाती थी तो उन्हें इतना अहम पद क्यों सौंपा गया। यह विवाद अब ब्रिटेन की सियासत में एक बड़ा सिरदर्द बन गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री स्टारमर पहले से ही कई मोर्चों पर विपक्ष और जनता के दबाव का सामना कर रहे हैं।

जेन-जेड युवा प्रदर्शनकारी की बैठक में ऐलान

सुशीला कार्की बनेंगी नेपाल की अंतरिम पीएम, 6 महीने में होंगे चुनाव

काठमांडू **(एजेंसी)**। 'जनरेशन ज़ेड प्रोटेस्ट' समूह ने गुरुवार को घोषणा की कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री का पदभार संभालेंगी। उन्होंने आगे कहा कि छह महीने के भीतर आम चुनाव कराए जाएँगे, जिससे नेपाल की जनता, खासकर युवा, अपनी पसंद का नया प्रधानमंत्री चुन सकेंगे। जनरेशन ज़ेड के युवा प्रतिनिधियों ने काठमांडू स्थित सेना मुख्यालय में नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल से मुलाकात के बाद यह घोषणा की।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जनरेशन ज़ेड समूह ने कहा कि अंतरिम नेतृत्व के लिए सुशीला कार्की सबसे उपयुक्त विकल्प हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश भर में एक स्वच्छता समिति का गठन किया जाना चाहिए और सभी को सेना के साथ मिलकर एक नए नेपाल के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। जेन जेड समूह ने कहा कि देश के पुनर्निर्माण और स्वच्छता के लिए सेना के साथ मिलकर काम किया जाएगा। देश भर में एक स्वच्छता समिति का गठन किया जाएगा। सभी नेपाली और जनरेशन ज़ेड युवा मिलकर एक नए नेपाल के निर्माण के लिए काम करेंगे। वर्तमान स्थिति में, अंतरिम नेतृत्व के लिए सुशीला कार्की सबसे उपयुक्त विकल्प हैं। एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश होने के नाते, उनके पास अपार अनुभव है।

हिंसा की आग में फिर सुलगा नेपाल

जेल तोड़ कर भागे कैदियों पर सेना ने बरसाई गोलियां, भारत में पकड़े 35 बंदी

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल में जेन-जेड आंदोलन और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अब जेल ब्रेक की घटनाएं बढ़ गई हैं । गुरुवार को रामेछाप जिला जेल में कैदियों ने भागने की कोशिश की, जिसके बाद नेपाली सेना ने गोलीबारी की, जिससे लगभग 12-13 कैदी घायल हो गए। कैदियों ने आंतरिक ताले तोड़े और मुख्य दरवाजा जबरदस्ती खोलने की कोशिश की। सेना तुरंत मौके पर पहुंची और गोलियां बरसाई । जेल में 800 से अधिक कैदी बंद हैं। नेपाल के रामेछाप के मुख्य जिलाधिकारी श्याम कृष्ण थापा ने पुष्टि की कि सभी कैदियों को काबू में कर लिया गया है और स्थिति अब नियंत्रण में है। भारत की सशस्त्र सीमा बल ने अब तक 35 कैदियों को पकड़ा है, जो नेपाल की जेलों से भाग गए थे।

काठमांडू पोस्ट के अनुसार, जेन-जेड प्रदर्शनों के बीच जेल ब्रेक की घटनाओं में तेजी देखी जा रही है। बुधवार को प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल के इतिहास में सबसे बड़ी जेल ब्रेक में देशभर की 25 से अधिक जेलों से 15, 000 से अधिक कैदी भागने में सफल रहे। कुछ कैदी स्वेच्छा से लौटे, जबकि सेना और पुलिस ने बाकियों को फिर से काबू किया। सुरक्षा बढ़ा दी गई है और नेपाली पुलिस एवं सशस्त्र बलोंको जेलों में तैनात किया गया है।

नेपाल में हाल के दिनों में 26 सोशल मीडिया एप्स पर प्रतिबंध लगाया गया। इसका विरोध करने के लिए जेन-जेड ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। संसद भवन और कई सरकारी इमारतों में आग लगाई गई। इस आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। सेना ने स्थिति नियंत्रण में लेने के लिए मोर्चा संभाला। झड़पों में 30 लोग मारे गए और 1000 से अधिक घायल हुए। काठमांडू सहित कई शहरों में कर्फ्यू लागू किया गया, जो शुक्रवार सुबह तक जारी रहेगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचना:- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।